

ममता की टीएमसी की हालत देख घबराए उद्धव ने बुलाई बैठक, कहा-हमारे सभी सांसद एकजुट

एजेसी ►► मुंबई

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टूट की कगार पर है और चर्चा है कि पार्टी कांग्रेस में शामिल हो सकती है। ऐसी ही अटकलों के बीच अब महाराष्ट्र में भी सियासी घरा चढ़ गया है। राज्य में शिवसेना (यूबीटी) को ऑपरेशन टाइगर के तहत एक और संभावित टूट का डर सता रहा है। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट द्वारा शिवसेना (यूबीटी) के 6 से 7 सांसदों के पाला बदलने के दावों के बीच, उद्धव ठाकरे ने अपने निवास स्थान मातोश्री में सांसदों की आपात बैठक बुलाई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद टीएमसी के कई नेताओं द्वारा ममता बेनर्जी का साथ छोड़ने के पीछे राजनीतिक गलियारे में भाजपा का हाथ बताया जा रहा है। इसी तर्ज पर अब महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज है। शिंदे गुट के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया है कि अगले 4-5 दिनों के भीतर उद्धव गुट के 6 से 7 सांसद उनके पाले में आ सकते हैं। इसी दावे के बाद उद्धव ठाकरे सतर्क मोड में आ गए हैं और पार्टी की एकजुटता प्रदर्शित करने में जुटे।

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट द्वारा शिवसेना (यूबीटी) के 6 से 7 सांसदों के पाला बदलने के दावों के बीच, उद्धव ठाकरे ने अपने निवास स्थान मातोश्री में सांसदों की आपात बैठक बुलाई। करीब दो घंटे तक विचार मंथन किया गया

ठाकरे ने सांसदों को महंगाई और जनता से जुड़े मुद्दों को जोर-शोर से उठाने का निर्देश दिया

बैठक में ठाकरे ने कहा एकजुटता से जनता के मुद्दे उठाएं

विरोधी दलों के संपर्क में होने की खबरों को नकारा



संजय राउत ने किया दावा, बोले-हम सब एक हैं

शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोशल मीडिया पर इस बैठक की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई इस अहम बैठक में प्रत्यक्ष रूप से अरविंद सावंत, अनिल देसाई, संजय दीना पाटिल और राजाभाऊ वाजे एवं आदित्य ठाकरे शामिल हुए जबकि ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाघेचोरे,

नागेश अधिकर और संजय देशमुख वचुंअली शामिल हुए। जबकि परभणी के सांसद संजय जाधव से उद्धव ठाकरे ने फोन पर सीधे बातचीत की। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने स्पष्ट किया कि सभी सांसद पूरी मजबूती और वफादारी के साथ एकजुट हैं, और उन्होंने उम्मीद जताई कि अब पाला बदलने की अफवाहों पर विराम लग जाएगा।

एकजुट रहने और बयानबाजी से बचने को कहा

इस आपात बैठक के दौरान उद्धव ठाकरे ने सांसदों को आगामी सत्रों और जमीनी राजनीति के लिए कई कड़े निर्देश दिए। सांसदों को संसद और जमीन पर महंगाई, किसानों की परेशानियां और कर्ज माफी जैसे जनता से जुड़े मुद्दों को जोर-शोर से उठाने के लिए कहा गया है। यह पूरी तरह साफ किया गया कि शिवसेना (यूबीटी) के सभी सांसद एकजुट हैं। सांसदों को निर्देश दिया गया कि वे कार्यकर्ताओं के बीच नेताओं के पाला बदलने की अफवाहों से पैदा हुई गलतफहमियों को तुरंत दूर करें। वहीं सांसदों की बैठक के बाद रविवार को ही सभी जिला प्रमुखों के साथ जूम के जरिए एक बैठक तय की गई है, जिसमें उद्धव ठाकरे जिलेवार स्थानीय चुनौतियों और राजनीतिक घटनाक्रमों का फीडबैक लिया।

खबर संक्षेप

पानी के लिए हत्या,देर रात तक किया जाम

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के सहसपुर के पास पानी को लेकर खून बह गया। मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। दो समुदाय के बीच हुई हिंसा में विनोद नाम के युवक को भीड़ ने घेर कर बेरहमी से मार डाला। भीड़ के हमले में दो युवक घायल भी हुए हैं। जिनका इलाज जारी है।

वन विभाग के दो अधिकारी समेत तीन गिरफ्तार

श्रीनगर। सीबीआई ने रिश्तखोरी के मामले में वन विभाग के दो अधिकारियों सहित तीन को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बडगाम जिले में की गई। आरोपियों की पहचान रंजर मंजूर अहमद मलिक निवासी कावोसा, मगाम, फॉरेस्टर मंजूर अहमद डार निवासी नुसगाम, खानसाहिब तथा कैजुअल लेबर बशीर अहमद गनी निवासी रहमाा, बीरवाह के रूप में हुई है।

अभिनेत्री गौतमी ने पार्टी से दिया इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्र कजगम की डिप्टी प्रोग्रेंडर सेक्रेटरी और अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गौतमी ने एआईएडीएमके महासचिव एडम्पडी के पलानिस्वामी को भेजे अपने इस्तीफा भेज दिया है।

रोडवेज की बस ट्रक से टकराई, 22 घायल

दौसा। आगरा बाईपास पर रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अलीगढ़ से जयपुर की और जा रही उत्तर प्रदेश रोडवेज की एक बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बस में सवार 22 यात्री घायल हो गए। दुर्घटना सुबह करीब 4:30 बजे हुई, जब अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे।

1600 किमी लंबी सीमा पर 5 राज्यों में एक साथ

एजेसी ►► गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेश से लगने वाली पूरी 1600 किलोमीटर सीमा पर बाड़बंदी होनी चाहिए थी और केवल असम तक सीमित रहना एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने बताया कि मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम और पश्चिम बंगाल में अब तेजी से बाड़बंदी का काम चल रहा है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की नागरिकता जांच का सुझाव भी दिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बांग्लादेश सीमा पर सुपैसट, जनसांख्यिकीय बदलाव और सीमा

सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम समझौते के बाद केवल असम-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी की मांग करना एक ऐतिहासिक भूल थी। सरमा का कहना है कि बांग्लादेश से लगने वाली पूरी 1600 किलोमीटर लंबी सीमा पर पांचों राज्यों में एक साथ बाड़बंदी होनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि अब केंद्र सरकार के प्रयासों से मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम और पश्चिम बंगाल में भी सीमा सुरक्षा के काम तेज हुए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों की नागरिकता की जांच की जा सकती है। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि असम समझौते के समय केवल असम की सीमा पर बाड़बंदी की मांग की गई थी, जबकि बांग्लादेश से लगी पूरी 1600 किलोमीटर सीमा को सुरक्षित किया जाना चाहिए था।

अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता की मांग करेंगे

ममता की बड़ी मुश्किलें, काकोली का दावा 20 नहीं, 22 सांसद हमारे साथ, आज स्पीकर से मिलेंगे

एजेसी ►► कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस में जारी उठापटक के बीच वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने रविवार को दावा किया कि बागी खेमे के साथ अब 20 नहीं, बल्कि 22 सांसद हैं।

दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर उन्होंने कहा कि दो और सांसद उनके संपर्क में हैं और औपचारिक रूप से साथ आने के बाद उनके नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। काकोली ने बताया कि आज सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात का समय मिला है। इस दौरान तृणमूल के बागी गुट के सांसद लोकसभा स्पीकर से अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता देने की मांग करेंगे। उत्तर 24 परगना जिले की बारासात लोकसभा सीट से लगातार चार बार की सांसद काकोली ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बंगाल की राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर असहमति जताने वाले कई नेताओं और सांसदों ने उनके साथ संपर्क किया है। इस बीच, बागी खेमे की गतिविधियां तेज हो गई हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रिमी ममता बनर्जी की करीबी रही दक्षिण कोलकाता से वरिष्ठ सांसद माला राय भी दिल्ली पहुंच चुकी हैं, जबकि मेदिनीपुर की सांसद जून मालिया भी राजधानी के लिए रवाना हो गई हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली में होने वाली बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

बागी खेमे की गतिविधियां तेज, बैठकों का दौर शुरू



केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से की मुलाकात

19 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र आया सामने

गौरतलब है कि हाल ही में तृणमूल के 19 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र सामने आया था, जिसमें काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में अलग संसदीय ब्लॉक बनाने की मांग की गई थी। बागी सांसदों का एक वर्ग केंद्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार को समर्थन देने के पक्ष में भी बताया जा रहा है।

तृणमूल में अंदरूनी खींचतान जारी

तृणमूल में लोकसभा चुनाव के बाद से बढ़ती अंदरूनी खींचतान के बीच यह घटनाक्रम पार्टी नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती बनता दिख रहा है। अब राजनीतिक हलकों की नजर सोमवार को स्पीकर के साथ होने वाली बैठक और बागी सांसदों के अगले कदम पर टिकी है।

भूपेंद्र यादव के घर हुई बागी सांसदों की बैठक



मची हुई है। टीएमसी अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही है और भाजपा अपने मौके के इंतजार में है।

ट्रेन नहीं मिलने से भड़के छात्रों ने की तोड़फोड़, पुलिस ने लाठी भांजी, फायर किए और आंसूगैस के गोले दागे

6 छात्र गिरफ्तार, 500 के खिलाफ मामला दर्ज

एजेसी ►► पटना

बिहार पुलिस मध्य निषेध विभाग की भर्ती परीक्षा देने जा रहे हजारों अभ्यर्थियों ने ट्रेनों की कमी और ट्रेन लेट पहुंचने से नाराज होकर रविवार को पाटलिपुत्र स्टेशन पर जमकर बवाल काटा। इस दौरान आक्रोशित छात्रों ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर ट्रेनों को रोक दिया, पथराव किया और एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ भी की। बिगड़ते हालातों को देखते हुए पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आश्रु गैस के गोले छोड़े, फिर फायरिंग कर दी। इस उपद्रव में जमकर पथराव किया गया, जिसमें आईजी सहित करीब आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए।



बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया।

परीक्षा छूटने के डर से भड़के छात्र

छात्रों की नाराजगी की वजह थी कि परीक्षा दो पालियों में होनी थी, जिसके लिए हजारों अभ्यर्थी रात में ही स्टेशन पहुंच गए। स्टेशन पर पर्याप्त ट्रेन व्यवस्था न होने और गाड़ियों के लेट होने से छात्रों में परीक्षा छूटने का डर सताने लगा। स्थिति तब और ज्यादा बिगड़ गई, जब पाटलिपुत्र से कटिहार के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेन स्टेशन पहुंची। इस दौरान अभ्यर्थियों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद नाराज छात्र पाटलिपुत्र-कटिहार एग्जाम स्पेशल ट्रेन के आगे पटरी पर बैठ गए और रेल प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों का कहना है कि अधिकारियों समाधान नहीं लाठियां भांजन पर ज्यादा भरोसा किया।

बलिदानियों को अंतिम विदाई...



असम में जोरहाट के रीरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया था। हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्ववाइन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जिंदर शर्मा, अग्निवीरवायु खेमराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। सभी बलिदानियों के शव उनके पैतृक घर भेजे गए हैं। जहां भारी भीड़ जुटी और नम आंखों से विदाई दी।

कॉंकरोच जनता पार्टी का बेंगलुरु में बारिश के बीच प्रदर्शन

एक्टर प्रकाश राज फूल लेकर शामिल हुए, वांगचुक ने कहा- ये गलतियां सुधारने वाला आंदोलन है



शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से की इस्तीफे की मांग

एजेसी ►► बेंगलुरु

कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने रविवार को बेंगलुरु में प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिनेता प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनके हाथ में एक फूल था। बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग पोस्टर और छाते लेकर पहुंचे।

प्रदर्शनकारियों ने नीट पेपर लीक और सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले हैदराबाद के धरना चौक पर भी प्रदर्शन



दीपके कभी भगत सिंह, कभी आंबेडकर तो कभी संविधान लेकर पहुंचे धरना स्थल पर

हुआ था, जहां सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों को संबोधित किया। सीजेपी

के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक पिछले 9 दिनों में देश के 6 शहरों में

विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अभियान की शुरुआत 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर से हुई थी। 11 जून को पुणे, 12 जून को लखनऊ, 13 जून को अमृतसर और अब 15 जून को बेंगलुरु और हैदराबाद में प्रदर्शन किया गया। हैदराबाद में ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा कि यह शिक्षा मंत्री बनने या कोई पार्टी बनाने का आंदोलन नहीं है। यह देश में युवाओं के साथ हो रही गलतियों को सुधारने का आंदोलन है। भविष्य में हमें ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनानी चाहिए, जहां भारत भयमुक्त हो, नफरत से मुक्त हो और हर व्यक्ति को बिना किसी सवाल के स्वतंत्रता मिले।

ड्रेस और ग्रूमिंग से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय सेना ने अपनी ड्रेस और ग्रूमिंग से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सेना की नई नियमावली आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026 के तहत कई ऐसे प्रावधानों को बदला या हटाया गया है, जिन्हें लंबे समय से ब्रिटिश शासनकाल की विरासत माना जाता था। सेना का कहना है कि इन बदलावों का मकसद भारतीय सैन्य परंपराओं को बनाए रखते हुए वर्दी और नियमों को देश की बदलती पहचान और वर्तमान जरूरतों के अनुरूप बनाना है।

मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार 174 पन्नों की नई नियमावली के अनुसार अब सेना के अधिकारी औपचारिक पोशाक के साथ बंद गले वाली बंडी जैकेट पहन सकेंगे। यह पहली बार है जब सेना ने पारंपरिक भारतीय परिधान को औपचारिक सैन्य ड्रेस का हिस्सा बनाया है। अधिकारियों को बंदगला, लाउंज सूट, कॉम्बिनेशन ड्रेस या टाई के साथ पहनी जाने वाली औपचारिक शर्ट-पैंट के साथ भी बंडी पहनने की अनुमति दी गई है। हालांकि इसके लिए रंग और डिजाइन को लेकर कुछ मानक तय किए गए हैं ताकि वर्दी की गरिमा बनी रहे।

भारतीय सेना के नए ड्रेस कोड के मुताबिक, अब सैन्य अफसर औपचारिक पोशाक के साथ बंद गले वाली बंडी जैकेट पहन सकेंगे। यह पहली बार है जब सेना ने पारंपरिक भारतीय परिधान को औपचारिक सैन्य ड्रेस का हिस्सा बनाया है। वहीं महिला अधिकारियों के लिए भी ड्रेस कोड स्पष्ट किया गया है। उन्हें सादे रंग की साड़ी या कुर्ता-सलवार पहनने की अनुमति होगी।



बस ड्रेस कोड ही नहीं, शब्दावली में भी बदलाव

नई नियमावली में केवल ड्रेस कोड ही नहीं, बल्कि शब्दावली में भी बदलाव किया गया है। सेना ने कई ऐसे शब्दों और प्रतीकों को हटाया है जो औपनिवेशिक दौर की याद दिलाते थे। इनमें रॉयल जैसे शब्द भी शामिल हैं।

एडेड में तलवार लेकर चलना अनिवार्य नहीं

नई गाइडलाइन में परेड और समारोहों से जुड़े कई पुराने नियमों में भी बदलाव किया गया है। अब परेड का निरीक्षण करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तलवार लेकर चलना अनिवार्य नहीं होगा। इसके अलावा कई औपचारिक ड्रेस कैटेगरी में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पाउच बेल्ट को भी हटा दिया गया है। हालांकि कुछ विशेष रेंजिमेंटल और कोर समारोहों में इसका इस्तेमाल पहले की तरह जारी रखा जा सकेगा। सेना ने सभी रैंकों के लिए एक नई सर्दियों की वर्दी भी शुरू की है, जिसे ड्रेस 3B नाम दिया गया है। इस ड्रेस में अंगोला शर्ट, बटलर जैकेट और बरेट शामिल होंगे। माना जा रहा है कि यह वर्दी अधिक व्यावहारिक और आधुनिक जरूरतों के अनुरूप तैयार की गई है।

खबर संक्षेप

लंदन में भारतीय मूल के युवक की चाकू से हत्या

लंदन। लंदन में भारतीय मूल के एक 26 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या का मामला सामने आया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले में प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज रखने वाले लोगों से आगे आने की अपील की है।

मृतक की पहचान गुरभेज सिंह के रूप में हुई है। उन पर साउथॉल इलाके में नॉर्थ रोड और डॉर्मस वेल्स लेन के जंक्शन के पास हमला किया गया था।

मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। एक अज्ञात व्यक्ति ने इस संबंध में धमकी भरा ईमेल भेजा। इसके बाद मुंबई की सभी सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस तुरंत अलर्ट मोड पर आ गई और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चाबंद की गई। सुरक्षा एजेंसियों ने सूचना मिलते ही हवाई अड्डा परिसर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया। इसके तुरंत बाद स्थानीय पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर बम निरोधक दस्ते की एक विशेष टीम ने पूरे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू टर्मिनल के अंदर तथा बाहर खोजी अभियान शुरू कर दिया।

यूक्रेन युद्ध के समर्थकों पर ब्रिटेन की सख्ती

इंग्लिश चैनल में रूसी ऑयल टैंकर को रोका, रूस को झटका



एजेसी ►► नई दिल्ली

यूनाइटेड किंगडम यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने रूस को एक बड़ा झटका दिया। उनके आदेश के बाद सेना ने इंग्लिश चैनल से गुजरने की कोशिश कर रहे एक रूसी शैडो फ्लीट ऑयल टैंकर को रोक लिया। स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को समर्थन देने वालों को कहीं भी छिपने नहीं दिया जाएगा।

कीर स्टार्मर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, रविवार को मैंने हमारी सेना को शैडो फ्लीट के एक ऑयल टैंकर को रोकने का निर्देश दिया, जो इंग्लिश चैनल से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इस सफल ऑपरेशन से रूस को एक और झटका लगा है और जो लोग यूक्रेन में पुतिन की जंग को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्हें यह याद दिलाया गया है कि हम उन्हें छिपने नहीं देंगे।

उन्होंने कहा, मैं इसमें शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ, जिनमें हमारी सेना और कानून लागू करने वाले अधिकारी भी शामिल हैं, जो साल के 365 दिन, 24 घंटे इस देश को सुरक्षित रखते हैं।

इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर रोका जहाज

छह घंटे चले इस ऑपरेशन में रॉयल मरीन कमांडो और नेशनल क्राइम एजेंसी के खास तौर पर ट्रेंड कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने आरएएफ की मदद से जहाज पर धावा बोला। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि छह घंटे चले इस ऑपरेशन के बाद स्मर्त्सोस नाम के इस जहाज को इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर रोककर रखा गया है। रॉयल मरीन कमांडो और नेशनल क्राइम एजेंसी के खास तौर पर ट्रेंड कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने आरएएफ की मदद से जहाज पर धावा बोलकर कार्रवाई को अंजाम दिया। मंत्रालय ने बताया कि रविवार सुबह फ्रांस के सहयोग से इस कार्रवाई को पूरा किया गया। यूके की सरकार रूस की तेल से होने वाली कमाई को निशाना बना रही है। रक्षा सचिव डैन जॉर्विस ने बताया, रूस यूक्रेन में अपनी जंग के लिए फंड जुटाने के लिए अपने शैडो फ्लीट पर निर्भर है और हमारे इस कदम से पुतिन की गैर-कानूनी जंग को झटका लगा है।

बचाव अभियान जारी: यूएस नेवी ने की इंडियन नेवी की मदद

ओमान तट पर डूबा भारतीयों से भरा जहाज फंसे 14 लोगों को सकुशल बचाया गया

एजेसी ►► मस्कट

ओमान के तट के पास 14 भारतीय नागरिकों को लेकर जा रहा एक जहाज रविवार को समुद्र में डूब गया, जिसके बाद अमेरिकी राहत और बचाव अभियान शुरू नौसेना और नौसेना और एक व्यापारी जहाज की मदद से बड़े स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक नाव ओमान के रस अल हद्द से करीब 80 समुद्री मील पूर्व में संकट में फंसे गई थी, जिसके बाद सभी 14 लोगों को सकुशल बचा लिया गया।

►► ओमान तट के पास संकट में फंसी भारतीय नौका ►► व्यापारी जहाज ने निभाई अहम भूमिका

सवार सभी 14 लोग भारतीय नागरिक हैं। फिलहाल उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बचाव अभियान पर लगातार नजर रखी जा रही है।



फाइल फोटो

व्यापारी जहाज एमवी जबल अली 9 ने की मदद

बचाव अभियान में पास से गुजर रहे सेंट किट्स एंड नेविस के झंडे वाले व्यापारी जहाज एमवी जबल अली 9 को भी शामिल किया गया। यह जहाज सोहार से मुंबई की ओर जा रहा था। अमेरिकी पी-8 विमान के अनुरोध पर जहाज को संकटग्रस्त नाव की ओर भेजा गया ताकि यात्रियों की मदद की जा सके।

समुद्री यातायात पहले से ही प्रभावित

क्षेत्र में जारी तनाव के चलते व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही पहले से प्रभावित है। कई शिपिंग कंपनियां और समुद्री एजेंसियां अतिरिक्त सतर्कता बरत रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैकड़ों जहाज और हजारों नाविक लंबे समय से बाधित समुद्री गतिविधियों का सामना कर रहे हैं।

जहाज डूबने की वजह स्पष्ट नहीं

फिलहाल जहाज के डूबने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।

एक्स पर सर्बिया के राष्ट्रपति ने लंबे कार्यकाल के लिए पीएम को बधाई दी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत और सर्बिया के रिश्ते होंगे और मजबूत : प्रधानमंत्री मोदी



इतने लंबे समय तक बने रहना इस बात का प्रमाण है कि जनता की अपने नेता पर कितना भरोसा है। उन्होंने अपना जीवन लोगों की सेवा और देश की प्रगति के लिए समर्पित किया है। किसी नेता की असली ताकत सिर्फ उसके पद पर बिताए गए वर्षों या जीते गए चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस विरासत, उपलब्धियों और दूरदर्शी सोच से मापी जाती है जो वह पीछे छोड़ जाता है।

4,399 दिन पूरे कर लिए, जो अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल

मुझे हमारी हाल की मुलाकात की याद बहुत खरस लगती है, जो आपसी सम्मान और सम्मान से भरी हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के दौरान मैंने एक अनुभवी राजनेता की समझ और ऐसे नेता की सोच को महसूस किया जो आधुनिक दुनिया की चुनौतियों को अच्छी तरह समझता है और साथ ही परंपरा, पहचान और राष्ट्रीय हितों को महत्व देता है। राष्ट्रपति बुक्सिफ ने कहा कि 4,399 दिन पूरे कर लिए, जो अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल अनुभव, दूरदृष्टि और भारत के प्रति समर्पण का यह अनोखा मेल प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा नेता बनाता है जिसकी आवाज दुनियाभर में सुनी और सम्मानित की जाती है।

विश्व रक्तदाता दिवस: रक्त की हर बूंद में मानवता का संदेश



नई दिल्ली। जब किसी अनजान व्यक्ति की धमनियों में आपका रक्त प्रवाहित होकर उसे नया जीवन देता है, तब मानवता अपने सर्वोच्च स्वरूप में प्रकट होती है। मानव सभ्यता के विकास क्रम में दान, सेवा और परोपकार को सदैव श्रेष्ठ मानवीय गुणों के रूप में देखा गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, विद्यादान ज्ञान का प्रकाश फैलाता है, पर रक्तदान ऐसा दान है जो सीधे जीवन प्रदान करता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में इसे महादान की संज्ञा दी गई है। रक्त वह अमूल्य जैविक संपदा है जिसका कोई कृत्रिम विकल्प आज तक विज्ञान विकसित नहीं कर पाया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान चाहे किन्ती भी प्रगति कर चुका हो, फिर भी रक्त के स्थान पर प्रयोगशाला में निर्मित कोई पदार्थ मानव जीवन को पूर्ण रूप से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता।

जहाज पर लगाया 53 लाख डॉलर का जुर्माना

नाइजीरिया में तस्करी के मामले में 11 भारतीय नाविक दोषी करार



एजेसी ►► अबूजा

नाइजीरिया की एक अदालत ने कोकीन की तस्करी के मामले में 11 भारतीय नाविकों को दोषी ठहराया है और उनके वाणिज्यिक जहाज पर 53 लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार इन नाविकों को लगभग छह महीने पहले गिरफ्तार

किया गया था। नाविकों पर आरोप है कि उन्होंने मार्शल द्वीपसमूह से 31.5 किलोग्राम कोकीन लाकर लागोस के अपापा बंदरगाह के माध्यम से नाइजीरिया में तस्करी की थी। बयान में कहा गया कि जहाज के कप्तान और चालक दल के 10 अन्य सदस्यों को न्यायमूर्ति जोसेफ चुक्वुजेक्वू अनेके ने एनडीएलईए अधिनियम के तहत दोषी ठहराया। बता दें कि अदालत ने जहाज को नाइजीरियाई सरकार को 53 लाख अमेरिकी डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया। तीनों मुख्य अधिकारियों को 100,000 अमेरिकी डॉलर प्रत्येक का भुगतान करने का निर्देश दिया गया।



ब्रिटेन ने रूस के तेल टैंकर को कब्जे में लिया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन एक प्रतिबंधित टैंकर की जांच कर रहा है, जिसके बारे में संदेह है कि वह रूस के तथाकथित गुप्त बेड़े शैडो फ्लीट का हिस्सा है और यूक्रेन युद्ध को लेकर मॉस्को पर लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए तेल की दुलाई कर रहा था।

ब्रिटिश सशस्त्र बलों ने रविवार को इंग्लिश चैनल में स्मिर्त्सोस नामक जहाज पर चढ़ाई कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने इसे ब्रिटेन के नेतृत्व में इस तरह का पहला अभियान बताया है।

रावलाकोट में मोबाइल सेवाएं बंद, पूरी दुनिया की नजर पाक पर

एजेसी ►► कराची

पाकिस्तान के हुक्मरान मानने लगे हैं कि पीओके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बिगड़ते हालात से उनकी फजीहत हो रही है। चौतरफा घिरी सरकार के अहम सदस्य और पीपीपी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को प्रदर्शन कर रहे लोगों से अपील की कि वे अपना आंदोलन समाप्त कर लें।

उन्होंने कहा इससे प्रांत और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि दोनों को नुकसान पहुंच रहा है।

प्रांत और पाक की अंतराष्ट्रीय छवि दोनों को नुकसान

पीओके प्रदर्शन को लेकर पाकिस्तान की दुनिया में हो रही फजीहत, बिलावल भुट्टो ने की शांति की अपील



रविवार को जारी बयान में, बिलावल ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से होने वाला शांति समझौता एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, जब पूरी दुनिया की

दीर्घकालिक समाधान निकाला जाए

पीपीपी प्रमुख ने याद दिलाया कि उनकी पार्टी पहले ही चुनाव आयोग से 27 जुलाई को तय समय से पहले घोषित चुनाव कार्यक्रम को वापस लेने की अपील कर चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी एक आयोग बनाने की कोशिश करेगी, ताकि लंबित शिकायतों का समाधान हो सके और दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके। प्रतिबंधित किए गए संयुक्त अवांभी एक्शन कमेटी जोएस्सी का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि यदि सभी पक्ष, जिसमें संघीय सरकार भी शामिल है।

कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया

5 जून को जेएस्सी की 9 जून को हड़ताल की घोषणा के बाद पाकिस्तान की सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बाद कार्यवाही करते हुए कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार भी किया गया। मीडिया के अनुसार आसपास धरने लगातार चौथे दिन भी जारी रहे। गुजरातप्रवाद और अन्य क्षेत्रों में कई जगहों पर बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन भी कई दिनों से प्रभावित है। कुछ क्षेत्रों में आंशिक हड़ताल की खबरें भी आई हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने निगम मुख्यालय का अवलोकन कर की प्रशंसा, कहा-आधुनिक युग में नई तकनीक का उपयोग कर बेहतर जनसुविधा के कार्य करें और भोपाल को स्वच्छता में नंबर-1 बनाएं

नए भवन को बताया आधुनिक भारत का प्रत्यक्ष साक्षी, केंद्रीय मंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं स्वसहायता समूह की बहनों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भोपाल का नवीन मुख्यालय अटल भवन अपनी विभिन्न तकनीकी खूबियों के कारण आधुनिक भारत का प्रत्यक्ष साक्षी है और यहां से स्वच्छता एवं जनसुविधा व विकास योजनाओं को संचालित कर भोपाल को और अधिक सुंदर बनाया जा सकता है।

ग्रीन बिल्डिंग कान्सेप्ट पर अपना मुख्यालय भवन बनाया है वह इवायरमेंटल फ्रेंडली, सस्टेनेबल फ्रेंडली भवन है और यहां बिजली की भी कम खपत होगी और एयरकंडीशन का भार भी कम पड़ेगा। यह बात केंद्रीय

ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बना निगम मुख्यालय अटल भवन इन्वायरमेंट फ्रेंडली, सस्टेनेबल फ्रेंडली भवन: केंद्रीय मंत्री प्रधान



शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को नवीन मुख्यालय अटल भवन का महापौर मालती राय एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा कराए गए अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने नवीन भवन के विभिन्न स्थानों एवं नगर जनसुविधा केन्द्र का अवलोकन किया और ग्रीन बिल्डिंग कान्सेप्ट पर बने इस भवन की सराहना भी की। इससे पहले अटल

भवन पहुंचने पर महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने श्री प्रधान का स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री ने अटल भवन एवं यहां जनसुविधा हेतु संचालित नगर जनसेवा केन्द्र का अवलोकन भी किया और यहां की कार्य पद्धति के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, स्वसहायता समूह की बहनों एवं

शहर के लोगों में है पॉजीटिव एनर्जी प्रधान ने कहा कि भोपाल अत्यंत सुंदर और स्वच्छ शहर है साथ ही यहां के लोगों में पॉजीटिव एनर्जी भी है। इससे तय है कि भोपाल दुनिया के सुंदर शहरों में शामिल होगा।

खबर संक्षेप

रेलवे कोच फैक्ट्री में प्रतियोगिताओं का प्रथम चरण पूर्ण

भोपाल। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली त्रिस्तरीय हिंदी प्रतियोगिताओं के अंतर्गत सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में तीन दिवसीय अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताएं के प्रथम दौर का सफल आयोजन किया गया। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कारखाना के तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए, राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के प्रथम दिवस राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त किया।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के पहले चरण में कॉलेज आवंटन जारी

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के तहत एनसीटीई पाठ्यक्रमों (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एम.पी.एड. आदि) के पहले चरण का महाविद्यालय आवंटन जारी कर दिया गया है। आवंटित अभ्यर्थियों को प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए 15 जून 2026 तक निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 64 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 59,113 आवेदनों का सत्यापन किया गया। पहले चरण में 32,918 अभ्यर्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं।

16 जून से ही खुलेंगे स्कूल, 1 जुलाई से खुलने की खबर आमक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के छात्र और पालकगण के लिए यह विशेष खबर है कि 16 जून से ही स्कूल खुलेंगे। एक जुलाई से शुरू होने की सूचना है फर्जी और भ्रामक है। संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य की समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 का विधिवत संचालन 16 जून 2026 यानी मंगलवार से शुरू किया जाएगा। इस संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल की जा रही सूचना कि शैक्षणिक सत्र एक जुलाई 2026 से प्रारंभ होगा जो कि पूरी तरह से असत्य, भ्रामक, तथ्यों से परे और फर्जी है। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों के संचालन की अधिकृत तिथि 16 जून 2026 ही है। ऐसे में विद्यार्थियों, अभिभावकों और आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे केवल विभाग की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

सारंग ने विद्यार्थियों से किया संवाद

भोपाल। सहकारीता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीएम मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास के स्वर्णम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे शिक्षण संस्थान संवाद के तहत शासकीय महाविद्यालय नरेला में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की।

बावड़ियाकलां में देवकीनंदन ठाकुर की श्रीमद् भागवत कथा का आरंभ

मनुष्य को धर्म, भक्ति, वैराग्य, ज्ञान का मार्ग दिखाती है भागवत कथा



हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

देवकीनंदन ठाकुर महाराज की शनिवार से रुद्राक्ष किंस्टन, बावड़ियाकलां में श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुई। पहले दिन देवकीनंदन महाराज ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान कलयुग के लोगों का कल्याण श्रीमद्भागवत से ही होगा। कलियुग में मनुष्य अनेक प्रकार की मोह-माया और अशांति से घिरा हुआ है।

ऐसे समय में श्रीमद्भागवत कथा ही वह दिव्य साधन है जो मनुष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकता है। भागवत कथा के श्रवण से हृदय में भगवान के प्रति प्रेम जागृत होता है, मन के विकार दूर होते हैं और जीवन में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं। कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का मार्ग दिखाती है तथा उसे ईश्वर से जोड़ने का कार्य करती है। कथा शुरू करने से पहले महाराज श्री कथा में प्रवेश करने का नियम बताते हुए कहा नो तिलक, नो एंट्री, यानी बिना तिलक के कथा पंडाल में एंट्री नहीं दी जाएगी। महाराज श्री ने बताया कि बिना तिलक के कोई पूजा भगवान स्वीकार नहीं करते है। भक्त कथा श्रवण के लिए पधारें, वे तिलक लगाकर ही आएँ, ताकि कोई विधर्मी कथा में प्रवेश न करे।

अधिक मास में किया गया सत्कर्म का फल कई गुना अधिक



देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि अधिक मास में किए गए दान-पुण्य अनंत काल तक फल देते हैं। अधिक मास में प्रत्येक सत्कर्म का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। इस पावन मास में किया गया दान, जप, तप, व्रत और सेवा कार्य न केवल इस जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है, बल्कि इसे अनंत काल तक पुण्यफल देने वाला बताया गया है। अधिक मास में अन्नदान, वस्त्रदान, गौ-सेवा, जल सेवा, मंदिर निर्माण या किसी भी प्रकार की जरूरतमंदों की सहायता करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

70 किलो फूलों से भगवान संग खेली होली



इतवार स्थित श्री हित रसिक राधावल्लभ मंदिर में अधिक मास महोत्सव के अंतिम दिनों में बज की पारंपरिक होली का मव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिरस, उत्साह और रंगों की छटा से सराबोर हो उठा। इस दौरान करीब 70 किलो पुष्पों से पुष्प होली खेली गई। पुष्पों की वर्षा के बीच संपूर्ण वातावरण बज की होली की अनुभूति कराने लगा। उपस्थित रसिक भक्तों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम, सौहार्द और भक्ति का संदेश दिया। रंग, गुलाल, पुष्पों की सुगंध और होली के रसिक पड़ों से मंदिर परिसर बज्रघाम की अनुपम छटा से आलोकित हो उठा। श्रद्धालुओं ने भाव-विमोह होकर आज बज में होरी रे रसिया जैसे होली पदों का सामूहिक गायन किया और ठाकुर जी के साथ होली उत्सव का आनंद लिया। उत्सव का प्रमुख आकर्षण श्री राधावल्लभ लाल के अद्भुत युगल स्वरूप के दर्शन रहे। इस विशेष श्रृंगार में ठाकुर जी आधे भाग में स्वयं और आधे भाग में श्री राधारानी के स्वरूप में विराजमान थे, जिससे भक्तों को राधा-कृष्ण के अमिन्न प्रेम स्वरूप के दिव्य दर्शन प्राप्त हुए।

प्रभु श्रीनाथजी को ब्रज रीत अनुसार

हाट दुकान में किया विराजमान

प्रभु श्रीनाथजी का शनिवार को चंदन ही रंग के वस्त्र के साथ सर पर टिपारा एवं मौतियों के आभूषण से श्रृंगार किया। अधिक मास पर आज सबसे आलौकिक उत्सव हुआ। श्री गोकुल बाजार जिसमें प्रभु श्रीनाथजी बज की रीत अनुसार हटरी में विराजमान हुए, हटरी यानी हाट दुकान के रूप जिसमें प्रभु विराजमान होकर समान बेच रहे हैं। इस बाजार में गोकुल के बाजार के रूप में अलग-अलग दुकान खलाई गई। ऐसे फूल, पान की, सिंगर की कपाड़े, साड़ी, धिलौने, सोने चांदी की चुड़ी की अनेक प्रकार की दुकान इस बाजार में सजाई गई। यह बाजार को देखने बहुत संख्या में वैष्णव जन आए।

दक्षिण-पश्चिम राज्य की सीमा के करीब पहुंचा मानसून बस्तर क्षेत्र से एक-दो दिन के भीतर एंट्री की संभावना



बादल छाने, गरज-चमक और हल्की बारिश की गतिविधियां जारी रहीं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, एक सक्रिय ट्रोंपिका मध्य पाकिस्तान से राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, झारखंड और पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश तक फैली हुई है। इसी सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में मौसम लगातार बदलाव दिखा रहा है।

कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों के लिए अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके साथ ही गरज-चमक, लज्पात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। अगले दो दिनों तक भी इसी तरह का मौसम बने रहने के संकेत हैं। राजधानी रायपुर में रविवार को बादलों की आवाजाही बनी रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में राजनांदगांव प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं पेंडसरोड में न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। बारिश के आंकड़े पर मजर डालें तो कुसमी में सबसे अधिक 5 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा ओरेछा में 4 सेंटीमीटर, पिपरिया में 3 सेंटीमीटर तथा बड़े बचेनी और थातखमरिया में 2-2 सेंटीमीटर बारिश हुई। भैरमगढ़, माकड़ी, ओडगों, पंथरिया और बोडला में भी हल्की वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग का मानना है कि मानसून के प्रदेश में प्रवेश करते ही बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी और तापमान में गिरावट दर्ज होगी।

बीएमएचआरसी में सर्पदंश पर व्याख्यानमाला का आयोजन

80 प्रतिशत मृत्यु सर्प के जहर से नहीं होती, बल्कि सर्पदंश के भय से हो जाती है: डॉ. ललित कुमार

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

आईसीएमआर-बीएमएचआरसी में शनिवार को अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम द्वारा सर्पदंश पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. ललित कुमार, विभागाध्यक्ष पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के द्वारा सर्पदंश के उपरांत प्राथमिक उपचार एवं देखभाल पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि सांपों की कुल प्रजातियां 300 प्रकार की होती हैं, जिनमें से 50 प्रजातियों के सांप ही जहरीले होते हैं, उनमें से भी चार



प्रकार के विषैले सर्पदंश के मामले होते हैं। चार प्रकार की प्रजातियों में कोबरा, कॉर्मन क्रेत, रसेल और साँ-स्केल्ड

वाइपर सांपों से ही ज्यादातर सर्पदंश होता है। इन जहरीले सर्पों के काटने से न्यूरोटॉक्सिक, हीमोटॉक्सिक एवं मायोटॉक्सिक प्रभाव देखने को मिलता है। सर्पदंश के लगभग 80 प्रतिशत मामलों में प्रभावित व्यक्ति की मृत्यु सर्प के जहर से नहीं होती बल्कि सर्पदंश के भय से ही हो जाती है। डॉ. ललित ने जानकारी दी कि सर्पदंश के मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। इससे बचाव के लिए मरीज को तुरंत प्राथमिक उपचार और नजदीकी अस्पताल में पहुंचना आवश्यक है।

सरकारी अस्पतालों में एंटी-स्नेक वेनम टीका बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध: डॉ. मनीषा

बीएमएचआरसी की प्रमोरी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे देश के गांव के खेतिहर किसान और आदिवासी बहुत क्षेत्रों के ज्यादातर लोगों की मृत्यु सांप के काटने से ही हो जाती है, क्योंकि वहां इसके इलाज के प्रति जागरूकता नहीं होती और न ही इसके लिए त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है। सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विषैले सांपों के जहर को बेअसर करने वाला एंटी-स्नेक वेनम टीका बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराया है।

झाड़-फूंक या अंधविश्वास में नहीं आएँ

व्याख्यानमाला में डॉ. ललित ने बताया कि बारिश के मौसम में सर्पदंश के मामले ज्यादा देखने में आते हैं। उन्होंने कहा कि सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक या अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए। इसका तुरंत चिकित्सीय इलाज जरूरी है। सर्पदंश के उपरांत पीड़ित को शांत रखें और उसे घबराने न दें और तुरंत ही नजदीकी अस्पताल ले जाकर उपचार दिलाने को प्राथमिकता दें। डॉ. ललित ने कहा कि सर्पदंश के उपरांत बचाव का एकमात्र इलाज अस्पताल में एंटी-स्नेक वेनम इंजेक्शन लतवाना है।

स्वसहायता समूह की बहनों में कौशल की कमी नहीं

प्रधान ने शनिवार को सुबह स्वसहायता समूह की सदस्यों से आत्मनिर्भर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत हुई भेंट एवं चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि भोपाल में स्वसहायता समूह की बहनों में कौशल की कमी नहीं है और इनके द्वारा बनाए गए उत्पाद भी बहुत अच्छे हैं।

महापौर और आयुक्त की नी प्रशंसा की

प्रधान ने महापौर मालती राय एवं निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा स्वसहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे कामों की प्रशंसा करते हुए कहा कि महापौर एवं निगम आयुक्त स्वसहायता समूह की बहनों की मदद करें और इनू के अधिकारियों से समन्वय कर इन्हें शिक्षा व आधुनिक तकनीक का ज्ञान उपलब्ध कराएं। प्रधान ने कहा कि मुझे आशा है कि इन बहनों में से कई बहनें नखपति-करोड़पति भी बन सकती हैं और भोपाल महिला आधारित उत्पादों का केंद्र भी बन सकता है।

नवागढ़ विकासखंड के पोंड़ी गांव में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

सीएम ने दी जांजगीर-चांपा को 295 करोड़ से अधिक की लागत के विकास कार्यों की सौगात



हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जांजगीर-चांपा जिले के दौरे पर थे। यहां नवागढ़ विकासखंड के पोंड़ी गांव में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। सीएम ने 295 करोड़ से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा।

बजट का शत-प्रतिशत उपयोग: अमृत योजना में देश में 7वें स्थान पर मप्र

15 दिवस में प्रगति न लाने वाले रेड लिस्टेड ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्ट, कटेगी परफॉर्मेंस गारंटी, सख्त दिशा-निर्देश

अमृत 2.0 जलप्रदाय परियोजनाओं की प्रगति एवं क्रियान्वयन की हुई समीक्षा हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने निर्देश दिए कि रेड लिस्ट के संविदाकार यदि 15 दिवस में परियोजनाओं में प्रगति नहीं लाते हैं, तो उनकी परफॉर्मेंस गारंटी की कटौती एवं उन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। साथ ही रेड लिस्ट सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष संविदाकारों पर एलडी अधिरोपित किया जाएगा। आयुक्त भोंडवे ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से अमृत 2.0 अंतर्गत संचालित जलप्रदाय परियोजनाओं



की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में संविदाकारों और अधिकारियों को निर्देश दिए। आयुक्त भोंडवे ने बताया कि संविदाकारों के कार्यों में किए गए समयबद्ध भुगतान के संबंध में भारत सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उपलब्ध कराई गई राशि का 100 प्रतिशत उपयोग मार्च, 2026 तक सुनिश्चित कर लिया गया। इस बेहतर वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन के फलस्वरूप

15 नगर पालिकाओं में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों का तबादला

सहायक राजस्व अधिकारी को भी सौंपी नई जिम्मेदारी

विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ जारी जांच प्रक्रिया को प्रभावित किए बिना प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार पदस्थापना की गई है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने एक सहायक राजस्व अधिकारी को भी निलंबन से बहाल करते हुए नई जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग का मानना है कि अनुभवी अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग कर स्थानीय निकायों में प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुचारु बनाया जा सकेगा।

निलंबित सीएमओ को बहाल कर दी नई पदस्थापना

ताजा आदेश में निलंबित चल रहे सीएमओ किरण पटेल को बहाल कर नई पदस्थापना दी गई है। उन्हें जांजगीर-चांपा जिले की नगर पंचायत बम्हनीडीह में अस्थायी रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच यथावत जारी रहेगी। जांच पूरी होने और रिपोर्ट आने के बाद निलंबन अवधि से संबंधित अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सरकारी फंड नहीं तो मंदिर पर शासकीय नियंत्रण नहीं

हरिभूमि न्यूज़ ►► जबलपुर

मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि किसी मंदिर को शासकीय नियंत्रणधीन मानने के लिए उसे प्रशस्त से वित्तीय सहायता मिलना आवश्यक है। इसी आधार पर जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने सागर के पहलवान बब्बा मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेने संबंधी आदेश निरस्त कर मामला पुनर्विचार के लिए संभागायुक्त के पास भेज दिया।

मंदिर के संस्थापक रामेश्वर प्रसाद तिवारी की ओर से अधिवक्ता आशेष त्रिवेदी, आनंद शुक्ला व अपूर्व त्रिवेदी ने पक्ष रखा। उन्होंने

दलील दी कि शासकीय देवस्थान प्रबंध समिति नियम, 2019 के नियम 1(जी) के अनुसार केवल वही मंदिर शासकीय नियंत्रण में आ सकता है, जिसे सरकारी अनुदान प्राप्त हो। प्रशस्त मंदिर को कभी कोई शासकीय फंड नहीं मिला। कोर्ट ने पाया कि मंदिर को सरकारी नियंत्रण में लेते समय इस महत्वपूर्ण पहलु पर विचार नहीं किया गया। इसलिए 2 सितंबर 2024 को पारित संभागायुक्त का आदेश विधिस्मरत नहीं उहराया जा सकता। हाई कोर्ट ने आदेश निरस्त कर अपील पर सभी पक्षों की दलीलों के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रादुविवि में तैयारियां हुई तेज



ध्रुव को डूबता देख
बचाने सागर कूदा
दोनों की मौत

**સિલુઆ ઘાટ પર પિકનિક મનાને
પહુંચે થે દોસ્ત, ત્રીન ઘંટે બાદ મિલે શવ**

सफलता नहीं मिली। बाद में एसडीआरएफ की सहायता में मोर्चा चलाया। तेज बहाव और नींद के भीतर मौजूद चुनारों के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन यूनैतीपूर्ण रहा। करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गोताखोरों ने घटनास्थल से लालगुम 50 मीटर दूर पथरों के बीच फँसे दोनों शवों को बरामद कर लिया। पुलिस ने पंचनामामाफ़ा करारवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। घटना से चौहड़ा गांव में मोर्चा की लहर है। एक ही हादसे में दो युवाओं की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं सागर की दोस्तों और साहस की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है, जिसने अपने जिसने अपने मित्र को जी जान बचाने के लिए अपनी जान की पवाह नहीं की।

सफलता नहीं मिली। बाद में एसडीआरएफ की सहायता में मोर्चा चलाया। तेज बहाव और नींद के भीतर मौजूद चुनारों के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन यूनैतीपूर्ण रहा। करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गोताखोरों ने घटनास्थल से लालगुम 50 मीटर दूर पथरों के बीच फँसे दोनों शवों को बरामद कर लिया। पुलिस ने पंचनामामाफ़ा करारवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। घटना से चौहड़ा गांव में मोर्चा की लहर है। एक ही हादसे में दो युवाओं की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं सागर की दोस्तों और साहस की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है, जिसने अपने जिसने अपने मित्र को जी जान बचाने के लिए अपनी जान की पवाह नहीं की।

अवकाश के दिनों में भी खूले रहेंगे विभाग

ਦੋਨੋਂ ਨਾਬਾਲਿਗ ਜਹਾਨੇ ਗਏ ਥੀ

जबलपुर। संभाग के कटनी जिलांतर्गत बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम मडिया में स्थित बलराम तालाब में शनिवार 13 जून को दुबने से दो सगी नाबालिग बहनों की मौत हो गई। दोनों नाबालिग बहनें शाम लगभग 4 बजे नहाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन देश राम धक वापस नहीं लौटीं थीं। इसके बाद परिजनों ने उर थाने में मामले की सूचना दी। परिजनों की सूचना पर पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद देश राम उनके शव तालाब से बाहर निकाल दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित

कर दिया। नृतक बहनों की पहचान मडिया निवासी निधि लोधी (17) और उसकी छोटी बहन नेहा लोधी (14) के रूप में हुई है। प्राण जानकारी के अनुसार ग्राम मडिया में स्थित बलराम तालाब में शनिवार शाम लगभग 4 बजे गांव की ही निधि और नेहा समीप ही बलराम तालाब में नहाने गई थीं। वहां से क घंटे बीत जाने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटीं, तो परिजनों को चिंता हुई। इस पर परिजनों ने पहले अपने स्तर पर आसपास और रिश्तेदारों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुरांग नहीं मिला। इसके बाद वे बलराम तालाब पहुंचे, जहां दोनों बहनों के

कपड़े किनार रखे थे परंतु उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसे पर उन्हीं ने तत्काल बाकल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बाकल थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तालाब में सर्च अभियान शुरू किया और कुछ घंटों की मशकत के बाद दोनों बहनों को तालाब से अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। पुलिस और परिजन तुरंत दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

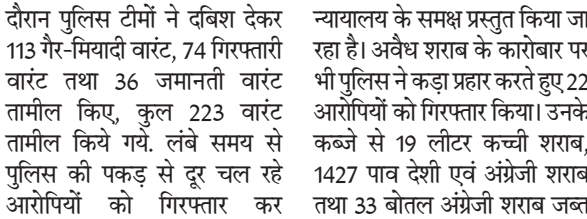
रांझी बमबाजी कांड का खुलासा: 3 आरोपी और 5 विधि-विवादित बालक पकड़े गए

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की एक्ससस वाहन जका की है। इनमें आरोपियों के गिफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि विधि-विवाहित बालकों की किंग्मो न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों घटनाओं में शामिल अधिकांश युवक समुदाय के हैं। सभी युवकों और विधि-विवाहित बालकों को काउंसिलिंग कर उन्हें अपराध के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया है। साथ ही अभिभावकों की भी चर्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखने की समझाइश दी गई है।

जलपूर। महर के राहगी थाणा क्षेत्रांतलें गंगा मेला इलाकें में रहने वाला एक 16 साला के किशोर ने शनिवार देर रात गाली को लेकर खुद विवाद के घटनाओ अप्णे दूसरे नाबालिग साथी पर हाक से हमल कर उसका गला रेत दिया। इसकें बाद आरोपी अप्णे एक साथी के साथ मेली से फरार हो गयल। बताया जा रहा है कि इनके नाबालिग के बीच एक हफ्ते पहले गाली बकने की बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया जाता है कि घायल शनिवार को दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलकर घर लौट रहा था कि इसी बीच रास्ते में उसकी मुलाकात आरोपी लडके से हो गइल। इनके बीच पहले से विवाद चल रहा था और फिज्जे एक प्रयास से बातचीत में बंद थी। स्पष्टबर्दिशियों के अनुसार दोनों का आमना सामना होता है। उनके बीच पहले कहानी शुरू। इसके बाद आरोपी ने मुकादिलेकर घायल के गले पर तथा पीठ पर जोरदार वार कर दिया। इन्हें हमले में गंभीर रूप से घायल लडका क मौके पर ही मिर पड़ जबकि आरोपी अप्णे एक अन्य मित्र के साथ वहां से भाग निकलल।

22 अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार

कोंम्बिंग गश्त : 223 वारंट तामील



विस्थापितों के मुआवजे पर 90 दिन में फैसला करो: हाईकोर्ट

हटाने की कार्रवाई की बात कही गई थी।
याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि भू-अर्जन अधिकारी ने उनके अध्यावेदनों को खासिज कर दिया, जबकि वे संबंधित भूमि के वैध स्वामी हैं और उन्हें भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहत उचित मुआवजा और पुनर्वास लाभ मिलना चाहिए। मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सच्चिवता आदित्य अवस्थी, केंद्र सरकार की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन पुर तथा राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता पीटल गांगुली ने अपना पक्ष रखा। अवकाशकालीन स्पॉट नैसर्मी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद काले की भू-अर्जन अधिकारी याचिकाकर्ताओं के सभी दावों, दस्तावेजों और स्वामित्व संबंधी तथ्यों की जांच करके तथा सभी संबंधित पक्षों को सुनकर 90 दिनों के भीतर उचित निर्णय लेइन निर्देशों के साथ न्यायालय ने याचिकाओं का निराकरण कर दिया।


भाजपा महिला मोर्चा ने लगाए फलदार पौधे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एक पेड़ माँ के नाम अभियान को मिला जनसमर्थन

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वयंसेवक बना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 से अब तक देशभर में लगभग 140 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं और यह अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण और हरित मण्डप का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद आश्विना परांजपे ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के साथ इलेक्ट्रिक ऑटो (ई-व्हीकल) से शिवाजी उद्यान से भाजपा संगमागिय कार्यालय तक यात्रा की। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ई-वाहनों के अधिकतम उपयोग की अपील की।

यह रहे उपस्थित- कार्यक्रम में प्रदेश सहकोषाध्यक्ष अर्चना अग्रवाल, ज्योति राजपूत, स्मृति जैन, कल्पना तिवारी, हिना गुप्ता, नीता रजक, दीपिका चौहान, हरप्रीत कौर, श्वेता गोतिया सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत रविवार को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मदन मल्ल स्थित अयोजित किया गया। यह आयोजन भाजपा नेत्री हिना गुप्ता की अगुवाई में तथा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे एवं नगर अध्यक्ष आत्मिका सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज, पृथ्वी माता एवं पौधों के

पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर आम, चीकू, लीची, अमरूद, जामुन और पीपल सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। सभी प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।

“आत्महत्या की रोकथाम” संभाग स्तरीय सेंसटाइजेशन कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज, जबलपुर में “आत्महत्या की रोकथाम” संभाग स्तरीय सेंसटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पंजाबराव चंदेलकर, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग, जबलपुर मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. सुधा मेहता, सेवानिवृत्त प्राध्यापक मनोविज्ञान, वक्ता सुयश ठाकुर शासकीय अधिकवक्ता, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अरुण शुक्ल एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. राहुल पटेल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पंजाबराव चंदेलकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करते हैं उन्होंने बताया कि किसान की आर्थिक समस्याएं, विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव, पारिवारिक तनाव, अकेलापन एवं सामाजिक अपेक्षाएं आत्महत्या के प्रमुख कारण बन रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यार्थियों एवं बच्चों पर



अनावश्यक दबाव न डालने एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान करने की अपील की।मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. सुधा मेहता ने कहा कि आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का व्यक्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए गहरी पीड़ा का कारण बनती है। इसलिए इसका समय रहते निराकरण और रोकथाम अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में शैक्षणिक दबाव, बेरोजगारी, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक तनाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कई लोगों को निराशा की ओर ले जाती हैं। जब व्यक्ति स्वयं को अकेला, असहाय और निराश महसूस करता है, तब उसके मन में आत्महत्या जैसे विचार उत्पन्न हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान संभव है, लेकिन

जीवन का कोई विकल्प नहीं है। आत्महत्या की रोकथाम के लिए उपाय पर चर्चा करते हुये कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, तनाव और अवसाद के लक्षणों को पहचानना, परिवार और मित्रों के साथ संवाद बनाए रखना, सकारात्मक सोच, योग, ध्यान एवं नियमित व्यायाम को अपनाना, आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या काउंसलर की सहायता लेना चाहिए।कार्यक्रम में सुयश ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह महसूस किया कि छात्र आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। इसलिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है राष्ट्रीय टास्क फोर्स का कार्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, अवसाद एवं शैक्षणिक दबाव जैसी

समस्याओं का अध्ययन करना है। प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमें अपने आसपास किसी भी व्यक्ति को अकेला महसूस नहीं होने देंगे। यदि कोई व्यक्ति तनाव, अवसाद या निराशा से जूझ रहा हो, तो उसे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ से सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।प्रो. अरुण शुक्ल, कार्यक्रम समन्वयक ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए जागरूकता, समय पर सहायता, भावनात्मक सहयोग और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना था।डॉ. रंजना मिश्रा द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन बुशरा खान एवं रुपाली उपाध्याय ने किया एवं आभार प्रदर्शन साक्षी मरावी, उमा भारती धुरें ने किया।संभाग स्तरीय कार्यक्रम में डॉ. स्मृति शुक्ला, डॉ. पवन तिवारी, डॉ. सुनील वाजपेयी, डॉ. चित्रा प्रभात, डॉ. लक्ष्मीचंद, डॉ. वॉणा वाजपेई, डॉ. शुभांगी धगट के साथ जबलपुर संभाग के जिलों के महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।



सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी नर्मदापुरम की जिला ईकाई गठित

अमजद हुसैन की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय जिला कमेटी नियुक्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी मध्यप्रदेश द्वारा काजियात कमेटी का प्रदेश में विस्तार करते सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारे साहब (सदस्य, मध्यप्रदेश राज्य सर्व शिक्षा अभियान मिशन समिति) की अनुशंसा एवं सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी के प्रदेश विधिक सलाहकार तकमील नासिर (अधिकवक्ता, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय) की सहमति से सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष काजी सैयद अजस अली चिश्ती द्वारा सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी जिला नर्मदापुरम की जिला कमेटी का गठन किया गया।सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी, नर्मदापुरम की 11 सदस्यीय जिला कमेटी में सैयद अमजद हुसैन (सोहागपुर) अध्यक्ष, सलीम खान (नर्मदापुरम) उपाध्यक्ष, जुनेद ताजी (नर्मदापुरम) सचिव, सादिक खान (सोहागपुर) सह सचिव, अय्यूब अहमद खान (सोहागपुर) कोषाध्यक्ष, शाहरुख खान (नर्मदापुरम) सदस्य, शेख समीर (गिपेरिया) सदस्य, नईम अहमद कुरैशी (सिवनी मालवा) सदस्य, जफर उल्ला खान (इटारसी) सदस्य, जाविद खान (शोभापुर) सदस्य एवं मो. अय्यूब खान (सोहागपुर) सदस्य नियुक्त किया गया है।सुन्नी मुस्लिम काजियात कमेटी नर्मदापुरम की इस नियुक्ति पर काजियात कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारे साहब ने कहा कि कमेटी के कार्यक्षेत्र को सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में क्रियान्वित करने के साथ-साथ मुस्लिम समाज के काजियात से संबंधित कार्यों के लिये जिला स्तर पर भी प्रदेश से जुड़े लोगों की समस्याओं के समाधान तेजी से होंगे। सुन्नी मुस्लिम काजियात वेलफेयर कमेटी नर्मदापुरम की जिला कमेटी मंगोनीत किये जाने पर तनजील ईशान, डॉ. अब्दुल हनीफ, मुश्ताक अहमद खान, मुन्ना खान, अहसान ठाकुर, अब्दुल हुसैन मंसूरी, जाह्द खान बब्बू, निसार पहलवान, इश्हाक पहलवान, अजीज पहलवान, सलीम खान चाली, यूसुफ अली, इरफान खान, अफाक खान, हासिद खान, बब्बू पैटर, तश्कील फारान आदि ने बधाई प्रेषित की।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त किए जाने पर एनएसयूआई का फूटा गुस्सा, कहा ‘यह लोकतंत्र की हत्या’

जबलपुर। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर NSUI ने इसे ‘लोकतंत्र की हत्या’ बताया। NSUI नेताओं ने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की। NSUI ने चेतावनी दी कि लोकतंत्र से खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो प्रदेशभर में आंदोलन

जर्जर आवासी मकानों पर ध्यान नहीं दे रहे अधिकारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश समय पाल संघर्ष समिति के सलाहकार पीयूष वर्मा, जेएन दुबे, उमेश यादव ने बताया कि जबलपुर स्थित कार्यालय नर्मदा विकास प्राधिकरण विभाग बाई दाई नहर के अंतर्गत बने आवासीय मकानों की हालत अत्यंत जर्जर अवस्था में है और इस हालत में कर्मचारियों को रहना पड़ रहा है, वहीं बरसात का मौसम भी करीब है कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों को अवगत करने के बाद भी उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में समिति द्वारा विभाग के मंत्री को पत्र प्रेषित कर निराकरण की मांग की गई। पीयूष वर्मा सलाहकार मध्य प्रदेश, समय पाल संघर्ष समिति ने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की भी मांग की।



मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में केसरवानी दंपति का चयन

जबलपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दन्त चिकित्सकों की भर्ती हेतु प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया जाता है, उक्त आयोजित परीक्षा का परिणाम साक्षात्कार के बाद घोषित किया गया जिसमें जबलपुर के दंत चिकित्सक डॉ. पुष्पराज केसरवानी की वरीयता सूची में 13वां स्थान और उनकी पत्नी डॉ. वंदना केसरवानी को 30वां स्थान प्राप्त हुआ है और उनका चयन हो गया है। डॉ. पुष्पराज केसरवानी, मथुरा विहार कॉलोनी जबलपुर के जवाहरलाल केसरवानी के पुत्र हैं जबकि डॉ. वंदना केसरवानी, विजयराघवगढ़ निवासी सुदर्शन प्रसाद गुप्ता की पुत्री हैं।

ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जबलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जबलपुर तथा मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के क्रीड़ा केन्द्र मदनमहल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन रॉक फोर्ड फाउंडेशन स्कूल, महानन्दा, मदन महल, जबलपुर में हुआ। पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार तकनीक, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा, अनंत डिके क्षेत्र संयोजक क्रीड़ा भारती, प्रकाश विस्फुटे कोष प्रमुख महाकौशल क्रीड़ा भारती, विवेक रंजन शुक्ला संपर्क प्रमुख महानगर क्रीड़ा भारती, शिवांग पंचौरी मातृशक्ति प्रमुख महाकौशल प्रांत, प्रीति त्रिपाठी दिव्यांग प्रमुख महाकौशल प्रांत, तियाशा जैनट वार्नर उपस्थित रहे। अतिथि आगमन पर जिला ताइक्वांडो यूनियन के महासचिव एडवोकेट जयराम चौधरी, मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजकुमार यादव, प्रदेश सचिव शशांक सिंह ठाकुर तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मानवराज यादव द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत शर्मा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि “ताइक्वांडो केवल एक खेल नहीं, बल्कि



आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। वर्तमान समय में प्रत्येक बालक एवं बालिका को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। खेल युवाओं को नशे एवं सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।” उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राजकुमार यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर एवं प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने बताया कि एक माह से

अधिक समय तक संचालित प्रशिक्षण शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों एवं युवाओं ने ताइक्वांडो की बारीकियां सीखीं, जिसका उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रतियोगिता में देखने को मिला। प्रतियोगिता में जिले की विभिन्न अकादमियों से आए लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने अपने-अपने आयु एवं वजन वर्ग में शानदार मुकाबले प्रस्तुत किए। कई मुकाबले अंतिम क्षणों तक रोमांचक बने रहे, जिससे उपस्थित दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों की गड़गड़ाहट से किया। समापन समारोह में विभिन्न वर्गों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी

एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की विशेष सराहना भी की गई। प्रतियोगिता के सफल संचालन में राष्ट्रीय रेफरी मानवराज यादव, कामाक्षा पटेल एवं चारु कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन रेफरियों ने निष्पक्ष निर्णय एवं उत्कृष्ट तकनीकी संचालन के माध्यम से प्रतियोगिता को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके समर्पण, सेवाभाव एवं खेल के प्रति योगदान को सम्मानित करते हुए मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक राजकुमार यादव द्वारा उन्हें स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में एडवोकेट जयराम चौधरी ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जिले में ताइक्वांडो खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उत्साह, अनुशासन और खेल भावना से परिपूर्ण इस आयोजन ने जिले के खेल जगत में नई ऊर्जा का संचार किया तथा ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का यादगार एवं सफल समापन किया।

श्री राजेश पैगवार– एलआईसी कॉलोनी आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राजेश पैगवार (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुनील राजपूत– शीतलामाई वाई निवासी श्री सुनील राजपूत (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्रीमती शकुंतला मुदलियार– नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास निवासी श्री विजय मुदलियार की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला मुदलियार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती शांति बाई सोनी– ठक्कर ग्राम बाबा टोला निवासी श्री सत्य नारायण सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई सोनी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री सदीप मरवाह– नर्मदा रोड हांडा पेट्रोल पंप के पास निवासी श्री सदीप मरवाह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री भूरा सेन– खटोक मोहल्ला बड़ी खरमाई निवासी श्री गोपाल

सेन के पुत्र श्री भूरा सेन (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री प्रमोद कुमार विश्वकर्मा– शर्मा काम्पलेक्स मानेगांव रांडी निवासी श्री प्रमोद कुमार विश्वकर्मा (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती विनीता राजक– ललित कॉलोनी नेहरू वार्ड निवासी श्री राधेश्याम राजक की धर्मपत्नी श्रीमती विनीता राजक (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री प्रेमचंद्र गुप्ता– ग्राम मनियाखेड़ा पिपरिया बजरंग परिसर खजरी खिरिया बायपास के निकट निवासी श्री धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुरेश बेन– राधाकृष्णन वार्ड मरही माता मंदिर के पास निवासी श्री सुरेश बेन (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेश पैगवार– एलआईसी कॉलोनी आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राजेश पैगवार (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुनील राजपूत– शीतलामाई वाई निवासी श्री सुनील राजपूत (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्रीमती शकुंतला मुदलियार– नेहरू नगर पुल नं. 2 के पास निवासी श्री विजय मुदलियार की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला मुदलियार (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती शांति बाई सोनी– ठक्कर ग्राम बाबा टोला निवासी श्री सत्य नारायण सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई सोनी (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया। श्री सदीप मरवाह– नर्मदा रोड हांडा पेट्रोल पंप के पास निवासी श्री सदीप मरवाह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री भूरा सेन– खटोक मोहल्ला बड़ी खरमाई निवासी श्री गोपाल

हरिभूमि विजी/शेक/उरावन, रमड़ी रम, पुष्पविधि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अपना नाम	विजय राज्डः	1000 से जी.	वैकल्पिक/रसदई	300/-
अपना नाम	विजय राज्डः	1000 से जी.	रंजीन	400/-
अपना नाम	विजय राज्डः	1000 से जी.	रंजीन	1100/-

सम्पर्क करें टैक्पायन विभाग-9303108294, 9407362160





साल्टस्टेज अपने फोलियो में 22 संपत्तियां जोड़ेगी

मुंबई। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी साल्टस्टेज ने चालू वित्त वर्ष में 22 से अधिक संपत्तियों को जोड़ने की योजना बनाई है, जिसके साथ उसका कुल पोर्टफोलियो 55 पर पहुंच जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी देश के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के पास वर्तमान में मिड-प्रीमियम से प्रीमियम श्रेणी में लगभग 1,214 कमरों वाले 33 होटल हैं। साल्टस्टेज के सह-संस्थापक गौरव गुप्ता ने कहा, ‘हम इस वित्त वर्ष में 22 और होटल जोड़ने की योजना बना रहे हैं, जिससे इस वर्ष होटल की कुल संख्या 55 हो जाएगी।

एनवैसी निर्माण पर करेगी 2,000 करोड़ रुपए खर्च

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एनवैसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के निर्माण कार्यों पर लगभग 2,000 करोड़ रुपये तक निवेश करेगी, ताकि परियोजनाओं को निर्धारित समय पर पूरा किया जा सके। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेंगलुरु स्थित एनवैसी समूह की कंपनी एनवैसी डेवलपमेंट्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 1,200 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण 1.90 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ती हुई। इस दौरान शेयर बाजार में तेजी के बीच आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,284.61 अंक यानी 1.73 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 256.2 अंक यानी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में रहें।

गांग प्रभावित रहने से सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध टलने की संभावनाओं के कारण स्थानीय बाजार की मांग प्रभावित रहने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा गर्मी की फसल की आवक के कारण मूल्यफाली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट देखी गई। वहीं कम आवक के बीच सुस्त मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता के बीच बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया।

क्रिकेटर रोहित का फिटनेस स्टार्टअप में निवेश

नई दिल्ली। क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा ने स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती क्षेत्र के स्टार्टअप ‘एफआईटीटीआर’ में निवेश किया है। रोहित शर्मा के निवेश की राशि के बारे में जानकारी नहीं मिली है। शर्मा ने कंपनी के साथ अपने रिश्ते की शुरुआत इसके ब्रांड एंबेसडर के रूप में की थी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ‘...रोहित को अपने व्यक्तिगत मूल्यों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ कंपनी का गहरा सामंजस्य मिला, जिससे उन्होंने एंबेसडर बनने से लेकर एक निवेशक और इक्विटी साझेदार बनने का सफर तय किया।’

भ्रामक दावा करने वाली 8 कंपनियों को ‘एफएसएसएआई’ का नोटिस

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के उल्लंघन के आरोप में भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और उत्पाद दावों का इस्तेमाल करने वाली आठ खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वाली कंपनियों में इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, टूवी, द हेल्दी फैक्टरी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स शामिल हैं। नियामक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी। प्राधिकरण का कहना है कि इन उत्पादों पर किए गए दावे उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं और

ये कंपनियां भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम व उत्पाद दावों का इस्तेमाल कर रही थीं

इमामी हेल्दी का ट्रेड नाम गुमराह कर रहा

एफएसएसएआई के अनुसार, इमामी हेल्दी एंड टेस्टी का ‘ट्रेड’ नाम उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है और यह लागू नियमों का उल्लंघन प्रतीत होता है। यह कंपनी कोलकाता स्थित इमामी समूह की खाद्य तेल इकाई है। वहीं, प्लान बी अपने उत्पादों के ‘प्लान बेस्ट वीगन’ के रूप में प्रचारित करती है।



द हेल्थी फैक्टरी के उत्पाद जांच के दायरे में

एफएसएसएआई का कहना है कि कंपनी ने वीगन खाद्य उत्पादों के समर्थन संबंधी आवश्यक स्वीकृति लिए बिना अपने उत्पादों को वीगन के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे उपभोक्ताओं में गलत धारणा बन सकती है। द हेल्दी फैक्टरी के ‘जीरो मैदा होल व्हीट बेड’ और ‘जीरो मैदा पिज्जा बेस’ उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाया गया है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना, समझौते से शुल्क रियायतें मिलेगी मुक्त व्यापार समझौतों से फर्नीचर निर्यात घरेलू विनिर्माण को मिलेगा बढ़ावा : उद्योग

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से देश के फर्नीचर उद्योग के निर्यात और घरेलू विनिर्माण को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इन समझौतों के तहत मिलने वाली शुल्क रियायतें भारतीय कंपनियों को विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देगी तथा देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने अब तक

- भारतीय कंपनियों विदेशी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर पाएगी

मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) समूह और ओमान के साथ एफटीए लागू किए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड और ब्रिटेन के साथ ऐसे समझौते किए जा चुके हैं, जबकि यूरोपीय संघ के साथ वार्ता पूरी होने की घोषणा की गई है।

खास बातें

- देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को बढ़ावा मिलेगा
- भारत ने अब तक यूएई, ईएफटीए व ओमान के साथ एफटीए लागू किया है



निर्यात के बड़े अवसर खुलेंगे

देश इजराइल, कनाडा, पेरू, चिली, खाड़ी सहयोग परिषद (बहरैन, कुवैत, कतर और सऊदी अरब) तथा सुरेशियन आर्थिक संघ (आर्मेनिया, बेलारूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान और रूस) के साथ भी इसी प्रकार के व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। गुजरात स्थित निप्पोनल्पाई इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक केतन ठक्कर ने कहा कि इन समझौतों से भारतीय फर्नीचर उद्योग के लिए निर्यात के बड़े अवसर खुलेंगे।

भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं

उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि कंपनी ने पहले ही निर्यात शुरू कर दिया है और भारतीय उत्पाद वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी मांग है। ठक्कर ने कहा कि इस क्षेत्र में आयात प्रतिस्थापन की भी व्यापक संभावनाएं हैं। भारत अग्नी बड़ी मात्रा में उच्च श्रेणी के कार्यालय और घरेलू फर्नीचर उत्पादों का आयात करता है, जबकि इन्हें देश में ही निर्मित किया जा सकता है।

महंगाई के आंकड़े और फेड के निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से महंगाई के आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर संबंधी घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि रिव्वावर को संभावित अमेरिका-ईरान समझौते की स्थिति, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और वैश्विक बाजारों के रुझान भी घरेलू शेयर बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। रिलायंस ब्रोकिंग के



वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा, ‘‘घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी।’’ उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक और उसका निर्णय सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगा।

एफपीआई बाजार से 2.87 लाख करोड़ निकाल चुके

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है।

मानसून की प्रगति पर होगी निवेशकों की नजर

स्वस्तिका इन्वेस्टमेंट्स के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की निगाह मानसून की प्रगति और महंगाई की स्थिति पर रहेगी। उन्होंने कहा कि 16-17 जून को होने वाली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर भी निवेशकों की नजर है।

सीईओ ने कहा, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद ध्यान अग्रणी बने रहने पर एलआईसी अपनी अग्रणी स्थिति और करेगी मजबूत

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरईस्वामी ने कहा है कि जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी। अभी जीवन बीमा क्षेत्र में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत है और यह 57 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है। कंपनी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य



245 बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन
एलआईसी की स्थापना एक सितंबर, 1956 को जीवन बीमा कारोबार के विस्तार, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। उस समय 245 भारतीय और विदेशी बीमा कंपनियां तथा भविष्य निधि संस्थाओं का राष्ट्रीयकरण कर एलआईसी का गठन किया गया था।

लगभग 60,000 करोड़ रुपये है। दुरईस्वामी ने कहा कि एलआईसी की विकास यात्रा

भारत की प्रगति से गहराई से जुड़ी रही है और भविष्य में भी यह संबंध कायम रहेगा।



हिताची गुजरात में बिजली ट्रांसफॉर्मर संयंत्र लगाएगी

नई दिल्ली। हिताची एनर्जी इंडिया गुजरात में बड़े बिजली ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण कारखाने की स्थापना के लिए लगभग 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि वह गुजरात के करजन (वडोदरा) में बड़ा बिजली ट्रांसफॉर्मर (एलपीटी) कारखाना स्थापित करने के लिए करीब 2,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

कंपनी ने कहा कि वह भारत और दुनिया भर में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी के अनुसार, नया कारखाना भारत में भरोसेमंद, दक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले बिजली उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।



एजेंसी ►► मुंबई

महिंद्रा समूह की अनुषंगी कंपनी स्वराज ट्रैक्टर्स विशेष जरूरत वाले ग्राहकों के लिए 70 हॉर्सपावर (एचपी) से अधिक क्षमता वाले ट्रैक्टर खंड में प्रवेश करने की योजना बना रही है। साथ ही कंपनी पंजाब स्थित अपनी विनिर्माण इकाई में पेंट शॉप की क्षमता बढ़ाने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। स्वराज ट्रैक्टर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गगनजीत सिंह ने कहा कि कंपनी अगले पांच से सात वर्षों के दौरान हर साल कम से कम एक नया उत्पाद बाजार में उतारने का लक्ष्य रखती है। इसके अलावा वह

अपनी अगली पीढ़ी के प्रीमियम ट्रैक्टर ‘प्रोटेक’ का भौगोलिक विस्तार करेगी और उत्पाद पोर्टफोलियो भी बढ़ाएगी। कंपनी के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो में स्वराज 85S, 73S, 744, 960, 742, 963, कॉम्पैक्ट स्वराज टारगेट, हाल में पेश की गई ‘नया स्वराज’ श्रृंखला और ‘प्रोटेक’ शामिल हैं।

नियमों के अनुरूप नहीं दिखते। न्यूहर्ब्स की ‘टू विटामिन’ उत्पाद श्रृंखला को भी नोटिस मिला है। एफएसएसएआई के अनुसार, ‘टू विटामिन’ जैसा व्यापारिक नाम उसके नियमों में परिभाषित या मान्यता प्राप्त नहीं है, इसलिए यह उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है।

हेल्थी होने के दावे को लेकर सवाल

इसी प्रकार, टूवी के ‘हेल्दी मिक्स वेजी चिप्स’, ‘हेल्दी रागी चिप्स’ और ‘हेल्दी मूंदा दाल चिप्स’ जैसे स्नेक उत्पादों पर ‘हेल्दी’ होने के दावे को लेकर सवाल उठाए गए हैं। नियामक का कहना है कि इनमें कई अन्य सामग्री भी शामिल हैं, ऐसे में इन उत्पादों को ‘हेल्दी’ बताना भ्रामक हो सकता है।

खाड़ी समझौता व कच्चे तेल से तय होगी सराफा की कीमतों की दिशा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति संबंधी बैठकों, अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच अगले सप्ताह सोने की कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक ब्याज दर परिदृश्य के संकेतों के लिए बैंक

- अगले सप्ताह कीमतें सीमित दायरे में रह सकती हैं

ऑफ जापान, अमेरिका, फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड की बैठकों के साथ-साथ ब्रिटेन, यूरो क्षेत्र, जर्मनी और जापान के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर बारीक नजर रखी जाएगी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को अंतिम रूप दिया जाना सराफा कीमतों के लिए प्रमुख कारक बना रहेगा। जेएम फाइनैशियल सर्विसेज लिमिटेड के ईबीजी-जिंस एवं मुद्रा शोध के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, अमेरिका-ईरान समझौते को अंतिम रूप दिए जाने पर करीब नजर रहेगी। यदि समझौते पर हस्ताक्षर होते हैं तो जोखिम वाली परिसंपत्तियों में तेजी



एमसीएक्स में सोना वायदा में गिरावट दर्ज

एलकेपी सिक्योरिटीज में जिस एवं मुद्रा शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई और एमसीएक्स पर अगस्त वायदा अनुबंध का भाव तीन प्रतिशत से अधिक टूटकर 1,48,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक आ गया।

का दर बढ़ सकता है, जिससे सोने और चांदी को भी बल मिल सकता है। हालांकि, किसी भी तरह का तनाव बढ़ना बाजारों के लिए नकारात्मक होगा। घरेलू बाजार में, मल्टी कर्मोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलिवरी वाला सोना वायदा भाव सप्ताह के दौरान 5,066 रुपये अथवा 3.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

आईपीओ की राह पर आगे बढ़ा एनएसई

एजेंसी ►► नई दिल्ली



नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अगले सप्ताह एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच सकता है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एनएसई 15 या 16 जून को भारतीय प्रतिष्ठित एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए शुरुआती दस्तावेज दाखिल कर सकता है। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को प्रस्तावित आईपीओ को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद दी गई थी। सूत्रों के मुताबिक, यह आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा, यानी इसमें देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज की ओर

एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपए
गैर-सूचीबद्ध (अनलिस्टेड) बाजार में एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। एक्सचेंज के लगभग 1.8 लाख शेयरधारक हैं। गौरतलब है कि एनएसई ने पहली बार 2016 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन सेबी ने कामकाज के संचालन को और लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के कारण मंजूरी रोक दी थी।

कैपिटल मार्केट्स की संयुक्त हिस्सेदारी करीब 7.5 प्रतिशत है। विदेशी निवेशकों में टेमासेक की अनुषंगी अरांदा इन्वेस्टमेंट्स और कनाडा के पेंशन योजना निवेश बोर्ड (सीपीपीआईबी) की भी उल्लेखनीय हिस्सेदारी है।

भारत में मेमोरी चिप निर्माण में बढ़ सकता है निवेश: वैष्णव

एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत में मेमोरी चिप के निर्माण के लिए नई कंपनियों द्वारा निवेश किए जाने की संभावना है, जबकि मौजूदा निवेशक भी इस क्षेत्र में

- उत्पादन बढ़ाएंगी मौजूदा कंपनियां

मांग के कारण वैश्व आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है और पिछले कुछ तिमाहियों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके चलते विनिर्माता वैश्विक स्तर पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। चिप की कीमतों में वृद्धि ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत भी बढ़ा दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, निश्चित रूप से मेमोरी विनिर्माण



आपूर्ति-मांग के अंतर को कम करने के लिए उत्पादन बढ़ाएंगे। वैष्णव ने कहा कि मेमोरी कार्ड और उन्नत चिप की मजबूत मांग के कारण वैश्व आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है और पिछले कुछ तिमाहियों में कीमतों में वृद्धि देखने को मिली है। इसके चलते विनिर्माता वैश्विक स्तर पर बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निवेश और उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। चिप की कीमतों में वृद्धि ने स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की उत्पादन लागत भी बढ़ा दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, निश्चित रूप से मेमोरी विनिर्माण

मेमोरी क्षेत्र में आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ

वैष्णव ने कहा कि मेमोरी क्षेत्र में गंभीर आपूर्ति-मांग असंतुलन बना हुआ है। यह पूछे जाने पर कि क्या इस क्षेत्र में नए निवेश आरंभ या मौजूदा कंपनियों उत्पादन बढ़ाएंगी, वैष्णव ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि दिनेश ही स्थितिगत संभव है। उन्होंने कहा कि ‘इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0’ के तहत लगभग 48 स्टार्टअप प्रौद्योगिकी उत्पादों पर काम कर सकते हैं।

चिंतन दुनिया को समाधान देने की ओर बढ़ रहा भारत

आज दुनिया के सामने कई बड़ी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। खाड़ी संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। जलवायु परिवर्तन का संकट गहरा रहा है, एआई नई संभावनाओं के साथ नई चिंताएं भी पैदा कर रहा है, ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ा प्रश्न बनी हुई है और तकनीकी प्रतिस्पर्धा वैश्विक राजनीति की दिशा तय कर रही है। ऐसे दौर में केवल वही देश प्रभावशाली भूमिका निभा पाएंगे, जो समस्याओं की पहचान ही नहीं, बल्कि उनके समाधान भी पेश कर सकें। फ्रांस में आयोजित ‘भारत इनोवेट्स 2026’ कार्यक्रम ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल वैश्विक परिवर्तनों का दर्शक नहीं बना रहना चाहता, बल्कि उन्हें दिशा देने की तैयारी कर रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मैक्रों का यह कहना कि भारत नवाचार का देश है और दुनिया भारत के साथ मिलकर इनोवेशन करना चाहती है, कोई साधारण टिप्पणी नहीं है। यह उस बदलती वैश्विक धारा का प्रतिबिंब है, जिसमें भारत को अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, तकनीक और नवाचार के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भारत अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाधान देने वाला देश भी बन रहा है। पिछले एक दशक में भारत ने जिस तेजी से तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में प्रगति की है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। डिजिटल भुगतान व्यवस्था, आधार आधारित सेवाएं, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कम लागत वाले तकनीकी समाधान आज कई देशों के लिए अध्ययन का विषय हैं। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप नेटवर्क में शामिल हो चुका है। दो लाख से अधिक स्टार्टअप केवल रोजगार सृजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं भी विकसित कर रहे हैं। भारत और फ्रांस के बीच बढ़ती साझेदारी भी इसी परिवर्तन का हिस्सा है। दोनों देशों के संबंध अब केवल रक्षा सौदों या कूटनीतिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृत्रिम मेधा, क्वांटम कंप्यूटिंग, समीकंडक्टर, अंतरिक्ष विज्ञान, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। यही कारण है कि ‘भारत इनोवेट्स’ जैसे मंचों को केवल एक कार्यक्रम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इन्हें भारत की वैश्विक महत्वाकांक्षा के प्रतीक के रूप में समझा जाना चाहिए। हालांकि तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही अहम है। नवाचार की वास्तविक ताकत केवल स्टार्टअप की संख्या से नहीं मापी जाती, बल्कि उससे पैदा होने वाले अभिाव से तय होती है। भारत की अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना होगा। युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि समाधान विकसित करने वाला बनाने की दिशा में शिक्षा व्यवस्था को भी बदलना होगा। यह भी सच है कि आज दुनिया ऐसे देशों की तलाश में है जो प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग का रास्ता दिखा सकें। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन से लेकर डिजिटल सार्वजनिक अवसरंचना तक, भारत के मॉडल को दुनिया गंभीरता से देख रही है। भारत के पास यह अवसर है कि वह विश्वसनीय देशों की आवाज बनने के साथ-साथ तकनीकी समाधान का नेतृत्व भी करे। 21वीं सदी में किसी भी देश की असली ताकत उसकी सैन्य क्षमता या आर्थिक आकार से नहीं, बल्कि दुनिया को दिए गए समाधानों से तय होगी। भारत उसी दिशा में आत्मविश्वास के साथ कदम बढ़ा चुका है।

आधी दुनिया डॉ. मोनिका शर्मा



हमारी बेटियों की सशक्त कदमताल

हाल ही में समानता और सशक्तिकरण के पथ पर कदमताल करती बेटियाँ और भारतीय सेना के लिए एक और विशेष दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हुआ। ध्यातव्य है कि देश में पहली बार नेशनल डिफेंस एकेडमी के पहले महिला बैच की चौदह बेटियां एक साल का कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना और वायुसेना में अफसर बनीं हैं। देहरादून और हैदराबाद दोनों जगहों को मिलाकर कुल 746 कैडेट्स भारतीय सेना का हिस्सा बने हैं। इनमें देहरादून की इंडियन मिलिट्री एकेडमी और हैदराबाद को डंडीगुल एयर फोर्स एकेडमी में आयोजित एनडीए पासिंग आउट परेड-2026 के बाद 14 बेटियों को भी सेना में कमीशन मिला है। ज्ञात हो कि चार साल पहले उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही महिलाओं के लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी में जाने के रास्ते खुले थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अगस्त 2022 में एनडीए में महिला कैडेट्स के पहले बैच को प्रवेश मिला। 3 साल के बेहद कड़े प्रशिक्षण के बाद पिछले साल मई महीने में 18 महिला कैडेट्स ग्रेजुएट हुईं। इन्हीं में से 9 महिला कैडेट्स ने इंडियन आर्मी में ज्वाइन करने का फैसला लिया और देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी में करीब 1 साल की कड़ी ट्रेनिंग ली थी। वहीं हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स अकादमी से 5 महिला कैडेट्स ने कमीशन प्राप्त किया है। यह पहला अवसर है जब महिला कैडेट्स ने सीधे स्थायी कमीशन प्राप्त किया है। ज्ञात हो कि पहले महिलाओं को केवल 'शॉर्ट सर्विस कमीशन' के जरिए ही सेना में प्रवेश मिलता था। ऐसे में यह केवल नेशनल डिफेंस एकेडमी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। विचारणीय है कि लैंगिक समानता और सामाजिक बदलाव लाने से लेकर रोजगार के मोर्चे तक, यह महिलाओं के लिए नई आशाओं और हौसले को जगाने वाली बात है। साथ ही यह बेटियों को अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिलने का परिवेश बनाने से जुड़ा बदलाव भी है। भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड के 94 साल के इतिहास में पहली बार 9 महिला कैडेट्स ने पुरुष कैडेटों के साथ 'अंतिम पग' पार कर भारतीय सेना में सैन्य अधिकारी बनना हर मोर्चे पर महिलाओं की सबलता का परिचायक है। हालांकि भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना में महिलाओं की पहले से ही भागीदारी है, पर भारतीय सैन्य अकादमी के एक लंबे सैन्य इतिहास में पुरुष कैडेट्स संग साझी कदमताल का यह पल थोड़ा विशेष है। कुछ समय पहले भारतीय नौसेना ने भी पहली बार महिला नाविकों को सेवा में शामिल किया था। सुखद है कि हालिया बरसों में गणतन्त्र दिवस को परेड को कमांड करने से लेकर मुश्किल मिलिट्री ऑपरेशन्स तक, बेटियां अब आम्ड फोर्सेस में अहम भूमिका में दिखने लगी हैं। इतना ही नहीं, सेना की तीनों ही यूनिट्स में स्त्री शक्ति का खुले मन से स्वागत भी किया जा रहा है। अपनी योग्यता और क्षमता के बल पर महिलाएं सैन्य संसार में लीडिंग रोल में आ रही हैं। पिछले कुछ बरसों में सैन्य बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से जुड़े अहम बदलाव भी हुए हैं।इन्हीं बदलावों के अंतर्गत सरकार ने सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन देने को मंजूरी दी थी। यूनियन डिफेंस मिनीस्ट्री से मिली ऑफिशियल मंजूरी के बाद भारतीय सेना के सभी दस हिस्सों में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन मिला है। इन डिपार्टमेंट्स में आर्मी एयर डिफेंस, सिनान्स्, इंजीनियर्स, आर्मी एल्विशन, इलेक्ट्रॉनिक्स व मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आर्मी सर्विस कॉर्प्स और इंटेलिजेंस कॉर्प्स आदि शामिल हैं। यह सैन्य बलों में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी की ही बानगी है कि कर्तव्य पथ पर महिला दस्ते की अगुआई में परेड होना भी एक अहम शुरुआत रही। 72वें रिपब्लिक डे के अवसर पर पहली बार थल सेना, नौसेना और वायु सेना के महिला सैन्य दल भी परेड में शामिल हुए थे। दरअसल, वर्ष 1992 तक महिलाओं को केवल सशस्त्र सेना मेडिकल कोर में शामिल किया जाता था। नौसेना में भी महिलाओं को कुछ चुनी हुई शाखाओं में अल्पकालिक कमीशन अफ़सर के रूप में भर्ती किया जाता था। यहां तक कि लड़कियों के लिए सैनिक स्कूलों में पढ़ने के रास्ते भी हाल ही में खुले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में देश के सभी सैनिक स्कूलों में छात्राओं के नामांकन को खोलने की ऐतिहासिक घोषणा की थी। यही वजह है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि 9 महिला ऑफ़िसर कैडेट्स के पास आउट होने का मतलब है कि अब देश की सुरक्षा को मुश्किल के बराबर ही हक दिया जाता है और महिलाएं भी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर इस देश की तस्की और इस देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभा रही है ।

(लेखिका स्वतंत्र संस्करण है, ये उनके अपने विचार हैं।)



➤ **सतर्कता** **सतीश सिंह**

भारत में बैंकिंग और डिजिटल भुगतान व्यवस्था जितनी तेजी से विस्तृत हुई है, उतनी ही तेजी से धोखाधड़ी के तौर-तरीके भी बदलते गए हैं। पहले धोखाधड़ी का बड़ा हिस्सा कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े छोटे-छोटे मामलों में दिखाई देता था। अब तस्वीर बदल रही है। धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घट रही है, लेकिन उनमें शामिल रकम तेजी से बढ़ रही है। यह संकेत केवल बैंकिंग तंत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों ने 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की। यह रकम एक वर्ष पहले के 32,803 करोड़ रुपये की तुलना में 46.4 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 11,013 करोड़ रुपये की तुलना में यह चार गुना से भी ज्यादा है। दूसरी ओर, धोखाधड़ी के मामलों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 10,114 मामले दर्ज हुए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 23,722 थी। यानी मामलों की संख्या लगभग 57 प्रतिशत घटी। वित्त वर्ष 2023-24 के 35,800 मामलों की तुलना में यह गिरावट करीब 72 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकिंग व्यवस्था में धोखाधड़ी की प्रकृति बदल रही है। अब छोटे और बिखरे हुए डिजिटल फ्रॉड की तुलना में बड़े कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामले अधिक गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता कर्ज और एडवांस से जुड़े मामलों को लेकर है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल धोखाधड़ी राशि में इनकी हिस्सेदारी 85.5 प्रतिशत रही। कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामलों की रकम बढ़कर 40,774 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 357 प्रतिशत अधिक है। ऐसे मामलों की संख्या भी बढ़कर 8,640 हो गई, जो पिछले वर्ष 7,924 थी। यह स्थिति बताती है कि बैंकिंग प्रणाली के भीतर ऋण स्वीकृति, निगरानी, मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन से जुड़े तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत है। सरकारी बैंकों पर इसका सबसे अधिक असर देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी बैंकों को धोखाधड़ी के कारण 35,709 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जो पिछले वर्ष के 23,617 करोड़ रुपये की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक है। कुल धोखाधड़ी राशि में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी बढ़कर 74.5 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सरकारी बैंकों में दर्ज मामलों की संख्या घटकर 5,418 रह गई, जो एक वर्ष पहले 6,916 थी। यह स्थिति बताती है कि सरकारी बैंकों

बड़े भाग मानुष तनु पावा

संवाद का ऐसा सांगोपांग निर्वहन संसार के किसी स्मृति साहित्य में नहीं मिलेगा, जो श्रीरामचरितमानस में है। पूरा मानस भक्त काकभुशुंडि और ज्ञानी पक्षीराज गरुड़ के बीच का संवाद है। भक्त काकभुशुंडि वक्ता हैं और ज्ञानी गरुड़ श्रोता हैं। भक्त प्रतिपादन कर रहा है और ज्ञानी जिज्ञासा कर रहा है। भक्त के प्रतिपादन में भावना का वह समुद्र लहराता है, जिसमें तनिक भी खारापन नहीं होता है और ज्ञानी की जिज्ञासा में कुतर्क का अभाव होता है। भक्त और ज्ञानी दोनों का परम उद्देश्य रामराज्य है, जो आचरण के उपादान के बगैर संभव नहीं है। समग्र रामकथा श्रवण के पश्चात पक्षीराज गरुण काकभुशुंडि जी से सात प्रश्नों की जिज्ञासा करते हैं। पहला प्रश्न पृष्ठते हुए वह कहते हैं कि सबसे दुर्लभ शरीर कौन सा है? काकभुशुंडि जी उत्तर देते हैं कि मनुष्य शरीर सबसे दुर्लभ है, क्योंकि मैंने स्वयं भी इसी शरीर के रहते भगवान और उनकी भक्ति को पाया है। वह कहते हैं कि मनुष्य तन ही वह उपलब्धि है, जो मोक्ष सुख का अनुभव भी करा सकता है। स्वर्ग के सुख को लोग भले ही श्रेष्ठ मानते हों, पर अंत में वह भी अल्प है और दुख का कारण बनता है। भक्त के जीवन में जो प्राप्त शरीर है, वह भी आराध्य को पाने का उपादान होने के कारण पूज्य हो जाता है। संसार में भी किसी व्यक्ति के सहयोग से यदि हमें कुछ विशेष उपलब्धि हो गई हो तो हम जीवन भर उसके कृतज्ञ रहते हैं, उसी प्रकार काकभुशुंडि जी कह रहे हैं कि शरीर मिथ्या तो तब होगा, जब इसका उद्देश्य भोगों की प्राप्ति हो।



करंट अफेयर

केरल में आज से महिलाओं के लिए मुफ्त बस योजना

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की सामान्य बसों में महिलाओं एवं उभयलिंगियों के लिए मुफ्त यात्रा योजना ‘ग्रियदर्शिनी’ शुरू करने जा रही है। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) द्वारा घोषित पांच ‘इंदिरा गारंटियों’ में शामिल यह योजना शुरुआती तौर पर 15 जून से राज्य में सभी सामान्य केएसआरटीसी सेवाओं में उपलब्ध होगी। पहले चरण के तहत किसी भी उम्र की महिलाएं और उभयलिंगी इस मुफ्त यात्रा के पात्र होंगे, भले ही उनकी आय, सामाजिक दर्जा आदि कुछ भी क्यों न हो। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इसके लिए किसी पूर्व पंजीकरण, दस्तावेज या आवेदन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। यात्रियों को यात्रा के दौरान केवल परिचालकों से इलेक्ट्रॉनिक टिकट मशीन (ईटीएम) के माध्यम से शून्य मूल्य का ‘ग्रियदर्शिनी’ टिकट लेना होगा। उन्होंने बताया कि यह टिकट प्रणाली डिजिटल रूप से हर यात्रा को रिकॉर्ड करेगी, जिससे केएसआरटीसी को खर्चों की प्रतिपूर्ति और पारदर्शी लेखा-जोखा रखने में मदद मिलेगी।

लापरवाही से बढ़ती धोखाधड़ी की वारदातें

भारत में बैंकिंग और डिजिटल भुगतान व्यवस्था जितनी तेजी से विस्तृत हुई है, उतनी ही तेजी से धोखाधड़ी के तौर-तरीके भी बदलते गए हैं। पहले धोखाधड़ी का बड़ा हिस्सा कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े छोटे-छोटे मामलों में दिखाई देता था। अब तस्वीर बदल रही है। धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घट रही है, लेकिन उनमें शामिल रकम तेजी से बढ़ रही है। यह संकेत केवल बैंकिंग तंत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में बैंकों ने 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की। यह रकम एक वर्ष पहले के 32,803 करोड़ रुपये की तुलना में 46.4 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज 11,013 करोड़ रुपये की तुलना में यह चार गुना से भी ज्यादा है। दूसरी ओर, धोखाधड़ी के मामलों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में 10,114 मामले दर्ज हुए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 23,722 थी। यानी मामलों की संख्या लगभग 57 प्रतिशत घटी। वित्त वर्ष 2023-24 के 35,800 मामलों की तुलना में यह गिरावट करीब 72 प्रतिशत है। आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकिंग व्यवस्था में धोखाधड़ी की प्रकृति बदल रही है। अब छोटे और बिखरे हुए डिजिटल फ्रॉड की तुलना में बड़े कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामले अधिक गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता कर्ज और एडवांस से जुड़े मामलों को लेकर है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल धोखाधड़ी राशि में इनकी हिस्सेदारी 85.5 प्रतिशत रही। कर्ज और एडवांस से जुड़े धोखाधड़ी मामलों की रकम बढ़कर 40,774 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 357 प्रतिशत अधिक है। ऐसे मामलों की संख्या भी बढ़कर 8,640 हो गई, जो पिछले वर्ष 7,924 थी। यह स्थिति बताती है कि बैंकिंग प्रणाली के भीतर ऋण स्वीकृति, निगरानी, मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन से जुड़े तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत है। सरकारी बैंकों पर इसका सबसे अधिक असर देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी बैंकों को धोखाधड़ी के कारण 35,709 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जो पिछले वर्ष के 23,617 करोड़ रुपये की तुलना में 51 प्रतिशत अधिक है। कुल धोखाधड़ी राशि में सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी बढ़कर 74.5 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सरकारी बैंकों में दर्ज मामलों की संख्या घटकर 5,418 रह गई, जो एक वर्ष पहले 6,916 थी। यह स्थिति बताती है कि सरकारी बैंकों



धोखाधड़ी मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और डिजिटल भुगतान से जुड़े मामलों की संख्या घटकर 293 रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 13,332 थी और वित्त वर्ष 2023-24 में 28,836 थी। इन मामलों में शामिल रकम भी घटकर 29 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 517 करोड़ रुपये थी। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था में तकनीकी सुरक्षा, शिकायत निवारण, निगरानी और जन-जागरूकता के स्तर पर सुधार हुआ है। मगर इसका अर्थ यह नहीं कि आम नागरिकों के लिए खतरा समाप्त हो गया है। यूपीआई ने भारत में भुगतान व्यवस्था को आम आदमी तक पहुंचाया है। यह सुविधा जितनी उपयोगी है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। वित्त वर्ष 2024 में यूपीआई धोखाधड़ी के 13.42 लाख मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें कुल 1,087 करोड़ रुपये की हराफेरी हुई। हाल के रुझानों में इन मामलों में कमी जरूर आई है, लेकिन यूपीआई से जुड़े खतरे पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। अधिकांश मामलों में ठग अज्ञात लिंक या क्यूआर कोड भेजते हैं, ओटीपी या पिन मांगते हैं या किसी लाभ,

झूटे आरोप का सामना बुद्धिमानी व धैर्य के साथ करें



आज की पाती

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पांच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊंचाइयों प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

— *डा. प्रशांत शुक्ला, बहल (भिवानी)*

साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उरुना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं – और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। और गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

विचार हरिभूमि 8

इनाम, कैशबैक अथवा आपात स्थिति का झांसा देकर खाते खाली कर देते हैं। साइबर ठगी की दुनिया में ‘डिजिटल अरेस्ट’ सबसे भयावह रूप में सामने आया है। इसमें ठग खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी, कस्टम या किसी अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बताते हैं। वे वीडियो कॉल पर पीड़ित को डराते हैं कि उसका नाम मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स तस्करी, हवाला या किसी आपराधिक मामले से जुड़ गया है। इसके बाद उसे ‘डिजिटल निगरानी’ या ‘वर्चुअल गिरफ्तारी’ के नाम पर कमरे में बंद रहने, किसी से बात न करने और पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई लोग भय, सामाजिक बदनामी और कानूनी कार्रवाई के डर से लाखों-करोड़ों रुपये गंवा बैठते हैं। डिजिटल अरेस्ट का मनोविज्ञान बेहद खतरनाक है। ठग तकनीक से ज्यादा डर और भ्रम का इस्तेमाल करते हैं। वे सरकारी प्रतीकों, नकली पहचान पत्रों, वीडियो कॉल, अदालत या जांच एजेंसी जैसे शब्दों और धमकी भरे लहजे से पीड़ित को मानसिक रूप से अस्थिर कर देते हैं। धोखाधड़ी से बचने का पहला उपाय है-लालच और लापरवाही से बचना। किसी भी अनजान कॉल, लिंक, क्यूआर कोड, निवेश प्रस्ताव, लॉटर, कैशबैक, नौकरी, कर्ज या सरकारी योजना के नाम पर मिले संदेश पर तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए। कोई भी बैंक, सरकारी एजेंसी, पुलिस या रिजर्व बैंक कभी फोन पर ओटीपी, पिन, पासवर्ड, कार्ड नंबर, सीवीवी या नेट बैंकिंग विवरण नहीं मांगता। किसी भी लिंक पर क्लिक करने, स्क्रीन शेयर करने, ऐप डाउनलोड करने या खाते से पैसे भेजने से पहले उसकी प्रामाणिकता जांचना जरूरी है।

दूसरा उपाय है-समय पर शिकायत करना। डिजिटल धोखाधड़ी होने पर घबराने या चुप रहने के बजाय तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। संबंधित बैंक, यूपीआई ऐप या वॉलेट कार्रवाई के डर से तुरंत सूचना देनी चाहिए। बैंकिंग और डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की बड़ी शक्ति हैं। लेकिन यह शक्ति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब भरोसे के साथ सावधानी भी जुड़ी रहे। धोखाधड़ी से बचाव का सबसे सरल मंत्र यही है-लालच से दूरी, लापरवाही से सावधानी और हर संदिग्ध स्थिति में तुरंत शिकायत। यही सतर्कता आम नागरिक की मेहनत की कमाई, बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता और देश की वित्तीय सुरक्षा-तीनों की रक्षा कर सकती है।

(लेखक आर्थिक संस्करण है, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।



हर संकल्प पूरा किया

प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ कहते नहीं हैं, बल्कि उसे करके भी दिखाते हैं। चाहे जन्म-कष्टभीर से अनुच्छेद 370 हटाना हो, अयोध्या में गठ्य दान गौदा का निर्माण हो, हमने अपने हर संकल्प को पूरा किया है।

— राजनिय सिंह, रक्षा मंत्री

नागरिकों को मार रहीं विदेशी ताकतें

कमजोर प्रधानमंत्री के राज ने, भारतीय होने का मतलब है पूरी तरह बर्बाद हो जाना। विदेशी ताकतें हमारे नागरिकों को मार देती हैं। हमारी सरकार एक आज़ादारी नौकर की तरह चुपचाप आदेश मानती है- और हमारे नागरिकों को मारने के लिए छोड़ दिया जाता है।

—राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

विकसित भारत की दिशा

गुवाहाटी-सिलचर एक्सप्रेसवे, नामरूप फर्टिलाइजर प्लांट और कामाख्या कॉरिडोर सिर्फ़ इमारतदार प्रोजेक्ट्स नहीं हैं। ये लाखों लोगों की उम्मीदों में निवेश और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है। - **हिमत बिसय सरणा, सौपरा, असम**

बिहार की समृद्ध विरासत

नालंदा की बावन बूटी साड़ी और प्रक्षिक, गया की पथरकट्टी स्टोन क्राफ्ट और गोगुएर की पिडिया पेंटिंग को ज्योआफ़्रिल इंडिकेशन (जीआई) देा मिला है। इससे देा और दुनिया में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का गाना और बढ़ेगा।

— **नीतीश कुमार, सांसद, राज्य सभा**

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



महंगाई व टैक्स के दौर में एफडी क्या सचमुच बढ़ा रही है बचत

तैयारी	
बिजनेस डेस्क	
खास बातें	
1	5 प्रतिशत महंगाई के बीच एफडी कैसे बन रहा है सीमित कमाई का साधन
2	विशेषज्ञों ने दी निवेश की रणनीति बदलने की सलाह
3	सुरक्षित निवेश तो है, लेकिन लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण के लिए अकेली एफडी काफी नहीं

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लंबे समय से सुरक्षित और भरोसेमंद निवेश का प्रतीक माना जाता रहा है। निश्चित ब्याज, पूंजी की सुरक्षा और आसान प्रक्रिया के कारण लाखों निवेशक अपनी बचत एफडी में लगाते हैं। लेकिन बदलते आर्थिक माहौल में केवल ब्याज दर को देखकर निवेश का आकलन करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी निवेश की वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि वह महंगाई और करों का असर झेलने के बाद निवेशक की क्रय शक्ति को कितना बढ़ा पाता है। यदि एफडी पर मिलने वाला रिटर्न महंगाई दर के बराबर या उससे कम है, तो ख़ाते में रकम बढ़ने के बावजूद वास्तविक लाभ सीमित रह जाता है। खासकर उच्च आयकर स्लैब वाले निवेशकों के लिए टैक्स कटने के बाद एफडी का रिटर्न और कम हो जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या एफडी केवल धन सुरक्षित रखने का साधन है या फिर वास्तव में संपत्ति निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है।

ईपीएफ का छिपा फायदा 8.25% ब्याज, लेकिन असली रिटर्न 11.8%

विशेषज्ञों का मानना है कि ईपीएफ केवल बचत का माध्यम नहीं, बल्कि रिटायरमेंट योजना की रीढ़ है। नियमित योगदान, चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ, कर छूट और सरकारी निगरानी इसे एक भरोसेमंद निवेश बनाती है। यदि कर्मचारी नौकरी के शुरुआती वर्षों से ही ईपीएफ को गंभीरता से लें और बीच में निकासी से बचें, तो रिटायरमेंट तक एक बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

तैयारी	
बिजनेस डेस्क	
भा	
रत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से काटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।	

भा

रत में नौकरीपेशा लोगों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) लंबे समय से रिटायरमेंट बचत का एक भरोसेमंद माध्यम रहा है। हर महीने वेतन से काटने वाली राशि और उस पर मिलने वाला ब्याज कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि कई लोग ईपीएफ को केवल एक अनिवार्य बचत योजना मानते हैं और इसकी तुलना म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार या अन्य निवेश विकल्पों से करते हुए इसे कम रिटर्न वाला निवेश समझ बैठते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ईपीएफ की वास्तविक ताकत केवल इसकी घोषित ब्याज दर में नहीं, बल्कि इसके साथ मिलने वाले कर लाभ और पूंजी सुरक्षा में छिपी है। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। पहली नजर में यह रिटर्न सामान्य लग सकता है, लेकिन यदि कर लाभों को भी जोड़कर देखा जाए तो पुराने टैक्स रिजीम में 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब वाले कर्मचारियों के लिए इसका प्रभावी रिटर्न लगभग 11.8 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार ईपीएफ को नौकरीपेशा लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और सुरक्षित रिटायरमेंट निवेश विकल्पों में गिनते हैं।

कैसे बढ़ जाता है ईपीएफ का वास्तविक रिटर्न?

अधिकांश निवेशक किसी भी योजना का मूल्यांकन केवल उस पर मिलने वाले ब्याज या रिटर्न के आधार पर करते हैं। लेकिन ईपीएफ के मामले में यह तरीका पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। इसकी वजह यह है कि ईपीएफ निवेश पर कर छूट का अतिरिक्त लाभ मिलता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी एक वर्ष में ईपीएफ में 1 लाख रुपये का योगदान करता है। यदि वह पुराने टैक्स रिजीम में है और 30 प्रतिशत टैक्स स्लैब के अंतर्गत आता है, तो

नए टैक्स रिजीम में भी बना हुआ है आकर्षण सरकार द्वारा लागू किए गए नए टैक्स रिजीम में धारा 80सी के तहत मिलने वाली अधिकांश कर छूट समाप्त कर दी गई है। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि ईपीएफ का महत्व कम हो गया है। हालांकि ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। भले ही नए टैक्स रिजीम में ईपीएफ योगदान पर कर छूट न मिले, लेकिन ख़ाते में मिलने वाला ब्याज अभी भी कर मुक्त रहता है और निर्धारित शर्तों के तहत निकासी पर भी टैक्स नहीं लगता। इसलिए यह योगदान आज भी रिटायरमेंट बचत के लिए एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है। हालांकि वर्तमान नियमों के अनुसार कर्मचारी के 2.5 लाख रुपये से अधिक वार्षिक योगदान पर मिलने वाले अतिरिक्त ब्याज के एक हिस्से पर कर लगाया जा सकता है। यह प्राधान्य मुख्य रूप से उच्च आय वाले कर्मचारियों पर लागू होता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट आज भी पूंजी की सुरक्षा और स्थिर आय के लिए एक मजबूत विकल्प है, लेकिन केवल एफडी के भरोसे लंबी अवधि में बड़ी संपत्ति बनाना आसान नहीं है। महंगाई और टैक्स मिलकर इसके वास्तविक रिटर्न को काफी कम कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जरूरत, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार एफडी के साथ अन्य निवेश विकल्पों का संतुलित उपयोग करना चाहिए। आखिरकार निवेश की असली सफलता बैंक बैलेंस बढ़ने में नहीं, बल्कि समय के साथ आपकी क्रय शक्ति बढ़ने में छिपी होती है।



पूँजी सुरक्षा के लिए बेहतर, लेकिन वेलथ क्रिएशन के लिए जरूरी है विविध निवेश रणनीति

महंगाई क्यों कम कर देती है

- मान लीजिए किसी निवेशक को एफडी पर 6 प्रतिशत ब्याज मिलता है और उसी अवधि में महंगाई दर 5 प्रतिशत रहती है। ऐसे में निवेशक का वास्तविक लाभ केवल 1 प्रतिशत के आसपास रह जाता है।
- वित्तीय सलाहकार इसी कारण रियल रिटर्न पर जोर देते हैं। रियल रिटर्न का अर्थ है निवेश से मिलने वाला वास्तविक लाभ, जो महंगाई घटाने के बाद बचता है।
- रियल रिटर्न = निवेश पर रिटर्न – महंगाई दर
- यदि एफडी का ब्याज 4.9 प्रतिशत और महंगाई 5 प्रतिशत है, तो निवेशक की क्रय शक्ति बढ़ने के बजाय घट भी सकती है।

एसबीआई की एफडी दरें क्या बताती हैं?

- 5 प्रतिशत महंगाई को आधार मानें तो छह महीने तक की छोटी अवधि वाली कई एफडी योजनाएं महंगाई को मात देने में संघर्ष करती दिखाई देती हैं। इन पर मिलने वाला ब्याज 3.05 प्रतिशत से 4.9 प्रतिशत के बीच है।
- हालांकि 1 से 3 वर्ष की अवधि वाली एफडी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इस अवधि में एसबीआई करीब 6.25 से 6.4 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जिससे वास्तविक रिटर्न लगभग 1.25 से 1.4 प्रतिशत तक पहुंचता है। द्दिलचस्प बात यह है कि 5 से 10 वर्ष तक की लंबी अवधि की एफडी में भी महंगाई के बाद वास्तविक लाभ बहुत अधिक नहीं बढ़ता। यानी केवल लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से बड़ा लाभ मिलने की गारंटी नहीं है।

सही होम लोन के चुनाव से मिलेगा बड़ा फायदा

मोरेटोरियम, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन व बैलून पेमेंट से अति. लाभ | होम लोन का चयन करने से पहले विकल्पों को अच्छी तरह समझें

बिजनेस डेस्क
आज के समय में अपना घर खरीदना अधिकांश लोगों का सपना होता है, लेकिन लगातार बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण यह सपना पूरा करना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में होम लोन लाखों लोगों के लिए घर खरीदने का सबसे बड़ा सहारा बनता है। हालांकि होम लोन लेते समय अधिकांश लोग केवल ब्याज दर और ईएमआई पर ध्यान देते हैं, जबकि बैंक और हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार कई तरह के लोन विकल्प भी उपलब्ध कराती हैं। इन विकल्पों में मोरेटोरियम लोन, नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम और बैलून पेमेंट लोन प्रमुख हैं। प्रत्येक योजना की अपनी विशेषताएं, फायदे और कुछ सीमाएं हैं। इसलिए किसी भी होम लोन का चयन करने से पहले इन विकल्पों को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

मोरेटोरियम लोन देता है राहत मोरेटोरियम लोन उन लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है जो कुछ समय के लिए आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हों या भविष्य में उनकी आय बढ़ने की संभावना हो। इस योजना में उधारकर्ता को एक निश्चित अवधि तक नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। हालांकि यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं होती। मोरेटोरियम अवधि के दौरान भी लोन पर ब्याज लगातार जुड़ता रहता है। बाद में यह ब्याज मूल बकाया राशि में जोड़ दिया जाता है।

नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना वर्तमान समय में बड़ी संख्या में लोग निर्माणाधीन परियोजनाओं में घर खरीदते हैं। ऐसे खरीदारों के लिए नो-ईएमआई-टिल-पजेशन स्कीम आकर्षक विकल्प हो सकती है। इस योजना में घर का कबजा मिलने तक खरीदार को नियमित ईएमआई का भुगतान नहीं करना पड़ता। कई मामलों में बिल्डर इस अवधि के दौरान ब्याज या ईएमआई का खर्च वहन करता है। इससे खरीदार पर तत्काल वित्तीय बोझ कम हो जाता है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद मानी जाती है जो वर्तमान में किराए के मकान में रह रहे हैं और साथ ही नया घर भी खरीद रहे हैं। इससे उन्हें एक साथ किराया और ईएमआई दोनों का बोझ नहीं उठाना पड़ता। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुविधा की लागत अक्सर किसी न किसी रूप में प्रॉपर्टी की कीमत में शामिल हो सकती है।

इसलिए ग्राहकों को योजना के सभी नियम और शर्तें ध्यान से पढ़नी चाहिए।

बैलून पेमेंट लोन बेहतर बैलून पेमेंट लोन पारंपरिक होम लोन से थोड़ा अलग होता है। इसमें शुरुआती वर्षों के दौरान ईएमआई अपेक्षाकृत कम रखी जाती है, जिससे मासिक भुगतान का दबाव कम रहता है। लेकिन लोन की अवधि के अंतिम चरण में उधारकर्ता को एक बड़ी राशि एकमुश्त चुकानी होती है। इसी बड़े अंतिम भुगतान को बैलून पेमेंट कहा जाता है। यह विकल्प उन लोगों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें भविष्य में आय में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद हो। उदाहरण के लिए किसी कर्मचारी को बड़े बोनस, ईएसओपी (ईएसओपी) से लाभ या वेतन में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की संभावना हो। वहीं व्यवसायियों को भविष्य में किसी बड़े लाभ की उम्मीद हो सकती है। हालांकि यदि अनुमानित आय वृद्धि नहीं होती तो अंतिम भुगतान करना

चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसलिए इस विकल्प को चुनते समय वित्तीय स्थिति का वास्तविक आकलन करना जरूरी है।

लोन लेते समय रखें ध्यान होम लोन का कोई भी विशेष विकल्प चुनने से पहले केवल कम ईएमआई या शुरुआती राहत को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि लंबे समय में कुल भुगतान कितना होगा और अतिरिक्त सुविधाओं की वास्तविक लागत क्या है। ग्राहकों को लोन की कुल अवधि, कुल ब्याज भुगतान, संभावित जोखिम और अपनी भविष्य की आय की स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। इसके अलावा सभी नियमों और शर्तों को विस्तार से पढ़ना भी जरूरी है।

जरूरत अनुसार चुनें सही विकल्प हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और जरूरत अलग होती है। इसलिए कोई भी एक लोन योजना सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। जहां मोरेटोरियम लोन अस्थायी राहत प्रदान करता है, वहीं नो-ईएमआई-टिल-पजेशन योजना निर्माणाधीन मकान खरीदने वालों के लिए फायदेमंद हो सकती है। दूसरी ओर बैलून पेमेंट लोन उन लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है जिन्हें भविष्य में अधिक आय की उम्मीद हो। विशेषज्ञों का मानना है कि सही जानकारी और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के साथ चुनाव होगा होम लोन न केवल घर खरीदने का सपना पूरा करता है, बल्कि लंबे समय तक वित्तीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है।

डबल इनकम, डबल सुरक्षा : नौकरीपेशा दंपतियों के लिए कुछ जरूरी वित्तीय नियम

बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच, मेडिकल इमरजेंसी फंड और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा परिवार को अचानक आने वाले खर्चों से बचा सकते हैं। इसके अलावा जीवन बीमा भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

आज के दौर में जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं, तो परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ जाते हैं। घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा, बेहतर जीवनशैली और सुरक्षित रिटायरमेंट जैसे बड़े लक्ष्य अपेक्षाकृत आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। हालांकि दोहरी आय के साथ वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। कई बार खर्च, बचत और निवेश को लेकर स्पष्ट योजना न होने से मतभेद और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि डबल इनकम वाले दंपतियों के लिए नियमित वित्तीय चर्चा, साझा बजट, व्यक्तिगत और संयुक्त खर्चों के बीच संतुलन, पर्याप्त बीमा और अनुशासित निवेश बेहद जरूरी हैं। यदि दोनों साथी मिलकर स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करें और उनके अनुसार योजना बनाएं, तो न केवल वर्तमान जरूरतें बेहतर ढंग से पूरी की जा सकती हैं, बल्कि भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है। छोटी-छोटी वित्तीय आदतें लंबे समय में बड़ी सफलता की नींव बनती हैं।



पैसों को लेकर खुलकर करें बातचीत

अक्सर दंपति आय और खर्चों को लेकर नियमित चर्चा नहीं करते, जिससे कई बार गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर महीने एक तय समय पर बैठकर आय, खर्च, बचत और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करनी चाहिए। इससे वित्तीय फैसले पारदर्शी बनते हैं और आपसी विश्वास भी मजबूत होता है।

सही वित्तीय योजना से रख सकते हैं सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव

मिलकर बनाएं संतुलित बजट

दोनों की कुल आय को ध्यान में रखते हुए मासिक बजट तैयार करना जरूरी है। इसमें घर का किराया, राशन, बच्चों की जरूरतें, यात्रा और अन्य नियमित खर्चों के साथ भविष्य के लक्ष्यों के लिए भी राशि निर्धारित करनी चाहिए। एक व्यवस्थित बजट अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में मदद करता है।



हर महिला को जरूर अपनानी चाहिए ये 5 वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स

आज की महिलाएं सिर्फ परिवार और करियर की जिम्मेदारियां ही नहीं निभा रही, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बदलते दौर में वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति निर्माण महिलाओं की प्राथमिकताओं में शामिल हो चुका है। हालांकि, कई महिलाएं अभी भी निवेश, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही वित्तीय योजना और अनुशासित निवेश के जरिए महिलाएं न केवल अपने वर्तमान को सुरक्षित बना सकती हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आर्थिक आधार भी तैयार कर सकती हैं। नियमित निवेश, आपातकालीन फंड, पर्याप्त बीमा और वित्तीय निर्णयों में सक्रिय भागीदारी जैसे कदम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। आइए जानते हैं ऐसी पांच महत्वपूर्ण वेल्थ मैनेजमेंट टिप्स, जिन्हें अपनाकर महिलाएं अपने भविष्य को अधिक सुरक्षित और समृद्ध बना सकती हैं।

निवेश को करें ऑटोमेटिक

नियमित निवेश की आदत बनाने का सबसे आसान तरीका है निवेश को ऑटोमेट करना। इसके लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) या फिर आरडी में निवेश कर सकते हैं और हर महीने नियमित निवेश कर सकते हैं। ऑटोमैटिक निवेश की सुविधा से करियर में बदलाव या आय में उतार-चढ़ाव के दौरान भी निवेश जारी रहता है। इससे समय के साथ कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है और बिना ज्यादा निगरानी के अच्छी संपत्ति बनाई जा सकती है।

रिटायरमेंट के लिए अलग फंड बनाएं

रिटायरमेंट प्लानिंग को टालना भविष्य में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है। ऐसे में करियर की शुरुआत से ही आय का एक हिस्सा रिटायरमेंट फंड के लिए अलग रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी खर्च और अन्य दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए भी अलग निवेश योजना बनाना फायदेमंद रहता है। समय-समय पर इन निवेशों की समीक्षा करना भी जरूरी है।

अपने फैसले खुद लें

आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टेक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

वित्तीय फैसलों की जिम्मेदारी खुद लें आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि अपने पैसों से जुड़े फैसले खुद लेना भी है। महिलाओं को निवेश, बचत, बीमा और टेक्स प्लानिंग जैसे विषयों की बुनियादी जानकारी रखनी चाहिए। जब आप अपने वित्तीय मामलों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ता है और महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णयों के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती है।

मजबूत इमरजेंसी फंड तैयार करें

जीवन में कब कौन सी चुनौती सामने आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, स्वास्थ्य संबंधी समस्या या कोई अन्य अप्रत्याशित खर्च आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड और पर्याप्त बीमा कवरेज ही काम आता है।

बचत और निवेश को बनाएं आदत दोहरी आय का सबसे बड़ा लाभ तभी मिलता है जब उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचत और निवेश में लगाया जाए। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्चों के बराबर इमरजेंसी फंड बनाने की सलाह देते हैं। इसके बाद जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में निवेश किया जा सकता है।

छोटी आदतें, बड़ा फायदा

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक सफलता किसी एक बड़े फैसले से नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी और अनुशासित आदतों से हासिल होती है। नियमित संवाद, सही बजट, पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्थित निवेश के जरिए डबल इनकम वाले दंपति अपने सपनों को तेजी से पूरा कर सकते हैं और भविष्य को अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

कौमी एकता और सौहार्द्र के साथ पर्व मनाने का आह्वान

मुहर्रम की तैयारियों को लेकर मदन महल दरगाह शरीफ में बैठक संपन्न

जबलपुर। हजरत इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर मदन महल दरगाह शरीफ में मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश की इजाजत से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की सरपरस्ती मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी ने की, जबकि सदरत सज्जादानशीन सूफी मुबारक अली कादरी ने और निजामत सज्जादानशीन खलीफा इनायत कादरी ने की। बैठक का आगाज सज्जादानशीन शराफत कादरी ने तिलावत-ए-कुरआन पाक से किया। इस अवसर पर जिला शांति समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी हाजी मकबूल अहमद रजवी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए दी गई ऐसी महान कुर्बानी है, जो आज भी पूरी दुनिया की अमन, ईसाफ और मानवता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि जबलपुर का मुहर्रम अपनी गंगा-जमुनी तहजीब और कौमी एकता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग मिल-जुलकर अकीदत के साथ इमाम हुसैन को याद करते हैं। बड़ी संख्या में हिंदू-मुस्लिम मुजावरों द्वारा सवारियां रखी जाना सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की अनूठी



मिसाल है। अतः यौमे आशूरा 10 मुहर्रम को रोजा-अफ्तार का एहतमाम करें और लंगर फेंक कर न दें जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। बैठक को खादिम-ए-आला सूफी चंगेज खान अशरफी, मौलाना चांद कादरी, अकबर खान सरवर, नियाज मंसूरी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने सभी ताजिया एवं सवारी कमेटियों से अपील की कि मुहर्रम के दौरान अनुशासन, अदब

और तहजीब का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सीमित उपयोग करने तथा जुलूसों और बेड़ों के दौरान किसी भी प्रकार की बेअदबी से बचने की सलाह दी गई। बैठक में क्षेत्र के नौजवानों ने फैज अली के नेतृत्व में प्रशासन से बहोराबाग चौक पर लगाए गए डिवाइडर को मुहर्रम के दौरान अस्थायी रूप से हटाने की मांग की। उनका कहना था कि मुहर्रम के अवसर पर हजारों अकीदतमंद, सवारियां और ताजिए इसी मार्ग

से गुजरते हैं तथा बहोराबाग चौक जुलूस मार्ग का प्रमुख हिस्सा है। वर्तमान में लगा डिवाइडर जुलूसों की आवाजाही में बाधा बन सकता है और भीड़ के दबाव के कारण अव्यवस्था की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। उपस्थित लोगों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की।

बैठक में सवारी एवं ताजिया कमेटियों के पदाधिकारी, मुजावर और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें थाना प्रभारी गढ़ा प्रसन शर्मा, अजय अवस्थी, उमेश तिवारी, शरद ताम्रकार (पूर्व पाषंद), इनायत शाह, वरुण बाबा, विक्की बाबा, अन्ना बाबा, अनवर बाबा, सूफी निजाम बाबा, नसीर सुल्तानी, गुलाफ्राम बाबा, आनंद रजक, अमित बाबा, हुसैन भाई पेटी, बाबू सलाम बाबा, राजेंद्र कोरी, सलमान बाबा, बाबू बाबा और अज्यू बाबा सहित अनेक लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में सज्जादानशीन निजाम कादरी, वारिस कादरी, सैय्यद रोशन कादरी ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर मुहर्रम को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और परंपरागत तरीके से मनाने का संकल्प लिया।



उर्स मुबारक पर निकले जुलूस में दिखी कौमी एकता की मिसाल

जबलपुर। हजरत सैय्यद चाँद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स मुबारक के अवसर पर शनिवार को निकाला गया संदल व चादर जुलूस अकीदत और भाईचारे का प्रतीक बना। शाम 4 बजे मौलाना की गली स्थित खादिम-ए-दरगाह मरहूम वली मुहम्मद के निवास से शुरू हुए जुलूस में बड़ी संख्या में हिंदू एवं मुस्लिम धर्मावलंबियों ने शामिल होकर कौमी एकता का संदेश दिया। बैड़-बाजों की मधुर नातिया धुनों और दरुद-सलाम की सदाओं के बीच निकले जुलूस में सैकड़ों जायरीन शरीक हुए। अकीदतमंद हाथों में चादर और गुलाब के फूल लिए दरगाह शरीफ की ओर बढ़ते रहे तथा रास्ते भर हजरत चाँद शाह वली की बारगाह में अपनी अकीदत का नजराना पेश करते रहे। जुलूस में पूर्व विधायक विनय सकसेना, खादिम ए आला चंगेज खान अशरफी, ताहिर खान, मोहम्मद रिजवान खान, आशीष उसरेटे, अनवर खान नूरी, नीलेश पंसारी, राजा तिवारी, निरु केंसरवानी, आसिफ अख्तर, तारीख खान, बिल्लू भाई, अजीज मामू सहित विभिन्न समाज और समुदायों के गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जुलूस में शामिल अकीदतमंदों द्वारा दरगाह शरीफ पहुंचने पर परंपरा के अनुसार चादरपोशी और गुलपोशी की रस्म अदा की गई। इसके बाद नजरो-नियाज पेश की गई तथा उपस्थित अकीदतमंदों के बीच तबरूक तकसीम किया गया। अंत में मुल्क में अमन, चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं की गईं।

पूजा कुमारी ने स्वर्ण और विनोद नायर ने जीता कांस्य पदक

किया संस्कारधानी का नाम रोशन

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक खेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि अभी हाल ही में मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय इक्विपड क्लासिक पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन ग्वालियर में 30/5 से 31/5/2026 तक किया गया, जिसमें नगर की पूजा कुमारी ने जबलपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए 69 किलो ग्राम वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए मास्टर 1 में स्वर्ण पदक जीतते हुए बेस्ट लिफ्टर का खिताब भी अपने नाम किया, वहीं विनोद नायर ने 93 किलो ग्राम भार में कांस्य पदक जीत कर संस्कारधानी का नाम रोशन किया। ये दोनों खिलाड़ी कोच लॉरेंस



मार्टिन के मार्गदर्शन में मिशन हेल्थ क्लब में अभ्यासरत हैं, इनकी इस उपलब्धि पर आलोक मिश्रा, रॉबर्ट मार्टिन, लॉरेंस मार्टिन, दिनेश राव, दीनू स्वामी, अनूप शर्मा, खूबचंद

मलगानी, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, तेजभान सिंह, शशिरमन स्वामी, कुलदीप सिंह आदि ने बधाई देते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



संगठन ने कर्मचारियों की समस्याओं से विधायक को कराया अवगत

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे से मुलाकात कर कर्मचारियों की ई-पटेंडेंस, टीईटी परीक्षा, ओल्ड पेंशन, उच्च पद प्रभार और केंद्र के समान मंहगाई भत्ता देने जैसी समस्याओं से अवगत कराया गया। विधायक द्वारा ये आश्वासन दिया गया कि राज्य कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण प्रदेश सरकार द्वारा अतिशीघ्र किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमंत ठाकरे, दिनेश गोंड, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, राजकुमार यादव, रिकू पीटर, शशिरमन स्वामी, फिलिप एंथोनी, राकेश गुप्ता, दीपेश जैन, गोपीशाह, मकसूद अहमद अंगारी, सुदिप चौधरी, श्रीकांत नायडू, संतोष चौरसिया, रिजवान मंसूरी आदि उपस्थित रहे।

पैर गंवा चुकी दो लाचार महिलाओं को न्याय दिलाने में अक्षम साबित हुए सीएमएचओ!

पीड़ितों को इलाज की फाइल दिलाने के बजाय थमा रहे 'सीएम हेल्पलाइन' का झुनझुना

निजी अस्पताल की मनमानी के आगे बेबस हुए जबलपुर सीएमएचओ

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले का स्वास्थ्य महकमा पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुका है, जहाँ आम जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं है। जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नवीन कोठारी की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले छह महीनों से दो पीड़ित महिलाएं, जिन्होंने एक निजी अस्पताल की घोर लापरवाही के कारण अपने पैर गंवा दिए, अपने ही इलाज की फाइल (मेडिकल रिकॉर्ड) पाने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग के मुखिया निजी अस्पतालों के आगे पूरी तरह नतमस्तक नजर आ रहे हैं।

लाचार सीएमएचओ, शर्मनाक ऑडियो

इस पूरे मामले में पीड़ितों की लड़ाई लड़ रहे

एडवोकेट दीपांशु साहू ने जब जबलपुर सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को फोन लगाकर पीड़ितों को उनके इलाज की फाइल दिलाने की गुहार लगाई, तो सीएमएचओ की घोर लापरवाही और लाचारी खुलकर सामने आ गई। सीएमएचओ का एक ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वे पीड़ितों की मदद करने और दोषी अस्पताल पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय बेहद गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते दिखे। ऑडियो में सीएमएचओ यह कहते सुने जा रहे हैं कि- “मैंने अस्पतालों को नोटिस दिया है, पर अस्पताल फाइल नहीं दे रहे हैं। आप सीएम हेल्पलाइन (CM Helpline) लगा दीजिए।”

एडवोकेट दीपांशु साहू ने सीएमएचओ को घेरा

एडवोकेट दीपांशु साहू ने सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी को सीधे तौर पर टारगेट करते हुए कहा कि- “एक जिले का मुख्य चिकित्सा अधिकारी इतना बेबस और लाचार कैसे हो सकता है कि एक निजी अस्पताल उसके नोटिस को कचरे के डिब्बे में डाल दे और वह

हाथ पर हाथ धरे बैठा रहे? अगर एक सीएमएचओ को भी अपनी कार्रवाई के लिए सीएम हेल्पलाइन का सहारा लेने की सलाह देनी पड़ रही है, तो उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। यह सीधे तौर पर जबलपुर की जनता के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों के साथ खिलवाड़ है।”

छह महीने से न्याय की आस में मटक रही हैं महिलाएं

गौरतलब है कि बीते छह महीनों से ये दो पीड़ित महिलाएं अपने कटे हुए पैरों का दर्द झेलते हुए जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के चक्कर काट रही हैं। कानूनन किसी भी मरीज या उसके परिजनों को इलाज के दस्तावेज तुरंत मिलने चाहिए, ताकि वे आगे का इलाज कर सकें या कानूनी कार्रवाई कर सकें, परंतु, सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी की कमजोर प्रशासनिक पकड़ और निजी अस्पतालों के प्रति 'नरम रुख' के कारण इन पीड़ितों को बंधक जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी के आईटी अधिकारियों को दिया जाएगा एआई/एमएल प्रशिक्षण

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा डिजिटल क्षमताओं के संवर्धन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीकों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कर्मचारियों हेतु एआई/एमएल जागरूकता एवं क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 19 जून 2026 तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 से दोपहर 1 बजे तक सीटीआई में संपन्न होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईटी विंग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छह टोनों में विभाजित कर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के अंतर्गत ओपन वेब्यूआई, डॉकर, ओसीआर, रैग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, डक डॉबी, चैटबॉट विकास, डेटा लेक, ईटीएल, डेटा गवर्नेंस, जीआईएस लेयर, स्मार्ट मीटर डेटा इंटीग्रेशन, एमबीएम/एमएमआर तथा एआई आधारित उपभोक्ता एवं फोडर मैपिंग जैसे अत्याधुनिक विषय शामिल हैं।

ई-विवेचना ऐप को लेकर दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) सुन्दरसिंह कनेश के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी एवं पुलिस उप अधीक्षक अंकिता सुल्या के मार्गदर्शन में सीसीटीएनएस केस अंतर्गत थाना/चौकी में पदस्थ विवेचकों को राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो द्वारा विवेचना हेतु प्रदाय टैबलेट में ई-विवेचना ऐप के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें e-Vivechana, e-Sakshya एवं e-Rakshak अंतर्गत उपलब्ध माइयूल्स केस डायरी, IIF-2 अपराध विवरण फॉर्म, धारा 35(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत नोटिस, IIF-3 गिरफ्तारी पत्रक, IIF-4 संपत्ति जप्ती पत्रक, मेडिको लीगल केस M.L.C.,



निवारक कार्रवाई/कलंदर प्रकरण, अज्ञात मृत शरीर/अप्राकृतिक मृत्यु का पंजीकरण, पंचनामा विवरण जोड़ना, पोस्टमार्टम निवेदन की तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर डाटा क्वालिटी को मद्देनजर रखते हुये प्रभारी सीसीटीएनएस स.उ.नि. गोपाल सिंह राजपूत की उपस्थिति में आर. राज कुमार अहिरवार (TOT) एवं सीसीटीएनएस टीम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें रेल पुलिस इकाई जबलपुर के समस्त थाना/चौकी से

कुल 20 विवेचकगण प्रशिक्षण में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान नवीन आपराधिक कानूनों के अंतर्गत डिजिटल विवेचना, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलन, अपराध स्थल की वीडियोग्राफी, साक्ष्यों के सुरक्षित संधारण तथा संबंधित पोर्टलों/एप्लिकेशनों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। e-Sakshya एवं डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे विषय वर्तमान पुलिस कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रशिक्षण में उपस्थित

समस्त अधिकारियों को पोर्टल के व्यावहारिक संचालन, केस डायरी संधारण, डिजिटल साक्ष्य अपलोडिंग एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का हैंड्स-ऑन अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विवेचना की गुणवत्ता में सुधार, साक्ष्य संकलन की पारदर्शिता बढ़ाना तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाना रहा। प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ एवं प्रतिभागियों द्वारा इसे अत्यंत उपयोगी बताया गया।



यात्री की खोई हुई संपत्ति सुरक्षित लौटाकर जीआरपी जबलपुर ने प्रस्तुत की कर्तव्यनिष्ठा

जबलपुर। रेलवे स्टेशन जबलपुर के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर इयूटीएरत जीआरपी स्टाफ को एक लावारिस लैपटॉप बेग प्राप्त हुआ। बेग की जांच करने पर उसमें एचपी कंपनी का लैपटॉप (कॉमर्सी लगभग 80,000), चार्जर, स्मार्ट वॉच, यूनिथल बैक का एटीएस कार्ड, इयरफोन एवं एक जोड़ी उपयोगी कपड़े मिले। इयूटीएरत स्टाफ द्वारा उक्त बेग को तत्काल सुरक्षित रूप से थाना जीआरपी पुलिस लाकर जमा किया गया तथा बेग के वास्तविक स्वामी की तलाश की गई। प्रयासों के उपरंत बेग के स्वामी आकाश यादव पिता भागवंद यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी शारदा नगर, रिजिड, बरेला, जबलपुर का पता लगाया गया एवं उन्हें थाने में उपस्थित होने हेतु सूचित किया गया। थाना उपस्थित होने पर आवश्यक सत्यापन एवं विधिवत कार्यवाही उपरंत उक्त समस्त सामान सुरक्षित रूप से वापस देने के माध्यम से आकाश यादव को सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

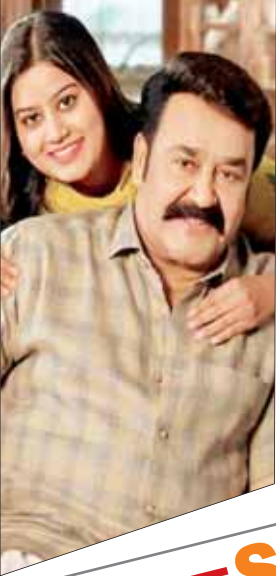
भोजशाला प्रकरण के याचिकाकर्ता डॉ. तिवारी सम्मानित

जबलपुर। मध्य प्रदेश के धार जिले के ऐतिहासिक भोजशाला बानाम कमाल मौला मस्जिद प्रकरण के याचिकाकर्ता के रूप में लंबी कानूनी लड़ाई लड़कर माननीय उच्च न्यायालय के माध्यम से भोजशाला में 721 सालों से जारी नमाज में रोक लगवाकर और सम्पूर्ण भोजशाला परिसर में हिंदुओं का आधिपत्य स्थापित करवाकर हिंदुत्व के संरक्षण संवर्धन में विशिष्ट योगदान देने वाले सनाननी योद्धा डॉ. एच.पी. तिवारी को विश्व संत्रांत समाज द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था के संरक्षक डॉ. अनिल गौर की अध्यक्षता, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. आनंद ज्योति पाठक, उपाध्यक्ष राम सुन्दर मिश्रा, राष्ट्रीय प्रचार सचिव एड. शिवम सिंह राजपूत और शिक्षा सलाहकार डॉ. श्रद्धा तिवारी की विशेष उपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में संस्था सदस्य और धर्मप्रेमी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. आनंद ज्योति पाठक और अन्य अतिथियों ने मां भगवती का विशेष चित्र अंकित अंग वस्त्र, शाल, श्रौफल और मां वाग्देवी का चित्र समर्पित कर डॉक्टर तिवारी को अभिनंदित किया। डॉ. अनिल गौर ने डॉ. एच.पी. तिवारी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी धर्मनिष्ठा की सराहना की। डॉ. आनंद ज्योति पाठक ने डॉक्टर तिवारी को सच्चा सनाननी योद्धा निरूपित करते हुए उनके हिन्दू धर्म स्थल मुक्ति अभियान में समस्त सनाननी बंधुओं से सहभागिता का आह्वान किया। डॉ. एच.पी. तिवारी ने भोजशाला विजय को सनातन धर्म, संस्कृति और परम्पराओं की जीत बताया।

जेनरिक दवाओं की गुणवत्ता पर हुई महान चर्चा

जबलपुर। केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीडीएचएस) डिस्पेंसरी क्रमांक-1 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अजय चौहान की अध्यक्षता में नगर के विभिन्न सैनियर सिटीजन संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि अनिल शुक्ला, गुरुमुख दास, कृष्ण शंकर शर्मा, चणखाम सोनकर, विनोद बैन के साथ मासिक बैठक आयोजित की गई जिसमें लाभार्थियों से जुड़े विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई जिसमे जेनरिक दवाओं के प्रभावहीन होने के बारे में गंभीरता बरतने व दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की बात कही गई। विशेषज्ञ चिकित्सकी (स्पेशलिस्ट) द्वारा लिखी गई दवाएं ही उपलब्ध कराई जाए ताकि लाभार्थियों बीमारी से रहत मिल सके। वहीं लोकल पर्जसे की दवाइयां जो डॉक्टरों द्वारा लिखी जाती मेडिसन सप्लायर वही मेडिसन सप्लाई करे बैठक में मेडिसन सप्लायर आशीष ठाकुर की उपस्थिति रही। डॉ अजय चौहान ने नव नियुक्त डॉ शैलेन्द्र शरफ को सभी का परिचय कराया व डिस्पेंसरी में डिस्प्ले बोर्ड के संचालन से पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों को सुविधा के बारे में जानकारी दी। सकारात्मक विचार विमर्श करने पर डॉ अजय चौहान ने कहा कि सभी को सम्मान, सहयोग व बीमारी के लिए उचित परामर्श व दवाएं उपलब्ध कराना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15216155P RANK HAV NAME RAKESH KUMAR TIWARI S/O CHANDRA DEV TIWARI OF UNIT 1852 FD, REGT. AADHAR CARD NO. 3705 6375 6253 I, have changed name of my SON from SIDDHANT TIWARI (Name as per my Army Service Records) to SIDHANT TIWARI (Name as per my SON, AADHAR CARD NO. 9253 6388 8026 AND MY SON, EDUCATIONAL DOCUMENTS) vide affidavit dated 13/06/2026 formerly before Public Notary JABALPUR (MP)
CORRECT NAME
SIDDHANT TIWARI
INCORRECT NAME
SIDHANT TIWARI



ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार दृश्यम-3

नई दिल्ली। साउथ के बेहतरीन अभिनेता मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम 3' ने सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जो लोग इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए हैं, उनके लिए एक खुशखबरी है। प्राइम वीडियो पर 'दृश्यम 3' को 18 जून को रिलीज

होगी। भारत समेत 200 से अधिक देशों के दर्शक इस फिल्म का आनंद ले सकेंगे। मलयालम के अलावा यह फिल्म तेलुगु, तमिल और कन्नड़ भाषा में डब किए गए संस्करणों में भी उपलब्ध होगी। रिलीज के बाद से ही फिल्म 'दृश्यम 3' ने अच्छा कलेक्शन किया है।

लाइफ Style

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्बा बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

नोरा

यहां तक पहुंचने के लिए जिंदगी भर मेहनत की

एंजेसी ►► मुंबई

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में एएफसीओएन मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।' इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है।



हॉलीवुड मसाला

बेबी बंप के साथ दिखीं

एलिजाबेथ

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में स्कारलेट विव का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री एलिजाबेथ ओल्सन अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। एलिजाबेथ ओल्सन को हाल ही में लॉस एंजिल्स के एक रेस्टोरेंट में देखा गया। उन्होंने सफेद बटन-डाउन शर्ट पहनी थी, जिसका निचला हिस्सा थोड़ा खुला था और उनका बेबी बंप साफ दिख रहा था। सड़क पर चलते हुए उन्हें अपना पेट पकड़े हुए देखा गया। अभिनेत्री एलिजाबेथ ओल्सन प्रेग्नेंट हैं और अपने म्यूजिशियन पति रॉबी अर्नेट के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।



टॉम के पोस्ट पर फराह ने लिखी दिल की ख्वाहिश...

मुंबई। कोरियोग्राफर, निर्देशक और ब्लॉगर फराह खान हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज के लिए केजी हैं। सुपरस्टार के लिए उनकी दीवानगी किस कदर है, इसका अंदाजा उनके हालिया कमेंट से लगाया जा सकता है। हुआ यह कि टॉम क्रूज ने हाल ही में स्टीवन रिपलबर्ग की हालिया रिलीज फिल्म 'डिस्कोलोज्ड डे' को लेकर पोस्ट साझा किया है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि टॉम क्रूज के हाथों में रिपलबर्ग का बस्ट (अर्ध प्रतिमा) है। इसे देख फराह खान ने अपनी ख्वाहिश जाहिर की है। उनकी तमन्ना है कि टॉम क्रूज के हाथों में लगी वह प्रतिमा काश कोरियोग्राफर की होती। फराह ने लिखा है, 'टॉम एम बेस्ट हो! काश कि ऐसा होता, तुमने जो बस्ट थामा हुआ है, वह मैं होती।'



चंदू चैंपियन की रिलीज को दो साल पूरे

नई दिल्ली। साल 2024 में 14 जून को फिल्म 'चंदू चैंपियन' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के लिए कार्तिक ने गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया था। उन्होंने करीब 18 किलो वजन कम किया था। फिल्म में उनके काम को सराहा भी गया। फिल्म की दूसरी सालगिरह पर कार्तिक ने एक पोस्ट शेयर किया है। कार्तिक आर्यन ने लिखा है, 'दो साल पहले, मैंने एक ऐसे इंसान की जिंदगी को जिया, जिसे दुनिया भूल चुकी थी और उसने मुझे उन सभी चीजों की याद दिलाई जिन पर मैं यकीन करता था। मुझे पक्का नहीं पता कि मैं इसे पूरी तरह शब्दों में बयां कर पाया हूं या नहीं, लेकिन मैं कोशिश जरूर करूंगा। यह फिल्म सिर्फ एक ऐसे आदमी के बारे में नहीं है, जिसने हार मानने से इनकार कर दिया, बल्कि यह उन जख्मों के बारे में है जो मेडल बन जाते हैं।



लेदर जैकेट लुक में नजर आए भाईजान...

मुंबई। लगान के 25 साल पूरे होने पर इस फिल्म को सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया गया। इस दौरान आमिर के अच्छे दोस्त और अभिनेता सलमान खान ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। सलमान खान का नया लुक देखकर आमिर और करीना के अलावा फैंस भी दंग रह गए हैं। सलमान खान इस इवेंट में छोटे बाल और हल्की ट्रिम की हुई दाढ़ी में नजर आए। इस नए लुक में वे बेहद फिट और हैंडसम लग रहे हैं। सलमान के नए लुक को देखकर फैंस पृष्ठ रहे हैं कि क्या भाईजान का यह नया लुक निर्देशक वामशी पेड्डपल्ली की फिल्म 'एसवीसी63' के लिए है? वहीं, इवेंट के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसी में एक वीडियो है, जिसमें निखत खान और रेखा को एक-दूसरे से मुलाकात करते देखा जा सकता है। एक वीडियो सामने आया है।

टीवी मसाला



अनिल लेकर आ रहे हैं रियलिटी शो 'इंडिया के टॉप 1%'

नई दिल्ली। स्टार प्लस अपने टेलीविजन दर्शकों के लिए एक नया और अलग अनुभव लेकर आ रहा है। चैनल अपना नया रियलिटी शो 'इंडिया के टॉप 1%' पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसे अनिल कपूर होस्ट करेंगे। यह शो प्रतिभागियों की समझ, तर्कशक्ति, नजरिए और तेजी से फैसले लेने की क्षमता को परखने वाला एक रोमांचक मुकाबला होगा। आज के दौर में जहां हर तरफ जानकारी की भरमार है, 'इंडिया के टॉप 1%' एक अलग सवाल पूछता है- क्या आप अपनी सोच और समझ के दम पर सबसे आगे निकल सकते हैं? यह शो पारंपरिक विवाद कार्यक्रमों से बिल्कुल अलग है, जहां सिर्फ याद की हुई जानकारी या किताबों का ज्ञान मायने नहीं रखता। इस नए फॉर्मेट में तर्कशक्ति, सामान्य समझ, तेज सोच और दबाव में सही फैसला लेने की क्षमता को सबसे अधिक महत्व दिया जाएगा. शो में आने वाली हर चुनौती इस बात की परीक्षा होगी कि प्रतिभागी जानकारी को कितनी जल्दी समझते हैं, पैटर्न को कैसे पहचानते हैं, समस्याओं का समाधान कैसे निकालते हैं और अहम समय पर कितनी तेजी से सही निर्णय लेते हैं। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ेगा, चुनौतियां भी कठिन होती जाएंगी और सबसे तेज दिमाग वाले प्रतिभागी ही अंत तक टिक पाएंगे। सभी का लक्ष्य एक ही होगा- भारत के टॉप 1% सोचने-समझने वाले लोगों में अपनी जगह बनाना। शो के बारे में बात करते हुए, अनिल कपूर ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत ऐसे लोगों का देश है, जिनकी समझ, नजर और व्यवहारिक बुद्धिमत्ता कमाल की होती है। हमारे देश की किसी भी गली या मोहल्ले में चले जाएं, आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो अपनी सुझसुझ से बड़ी से बड़ी समस्या का हल निकाल लेते हैं। इसकी वजह सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के अनुभव होते हैं।

38 की उम्र में मां बनीं सुरमि

नई दिल्ली। टेलीविजन अभिनेत्री सुरमि ज्योति 38 की उम्र में मां बन गई हैं। सुरमि ने 13 जून को एक प्यारी बेटी को जन्म दिया, जिसकी सुशुखबरी उन्होंने आज सोशल मीडिया पर शेयर की है। सुरमि ज्योति ने आज इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट शेयर कर अपनी बेटी को जन्म की सुशुखबरी फैंस के साथ शेयर की है। इस पोस्ट पर लिखा है- 'यह लड़की है।' इसके साथ ही करीब लिखी है 13 जून, 2026। इस पोस्ट पर एक हल्के गुलाबी फूल के साथ एक कली की तस्वीर लगी हुई है। साथ ही लिखा तब सुरमि और सुरमिता। सुरमि ज्योति ने इस खास पोस्ट के साथ इंस्टाग्राम पर कैप्शन लिखा, 'हमारी बेटी आ आई है।' सुरमि ने आगे लिखा, 'हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भर गया है।' सुरमि को कई सैलेब्स ने मां बनने की बधाई दी है। आशका गोराडिया ने लिखा, 'बधाई हो', किश्वर मर्देत ने लिखा, 'वाह, बधाई हो', शालीन मल्होत्रा ने लिखा, 'अगवान आपको आशीर्वाद दें, शिगर करी ने लिखा, 'ओएनजी इसी के साथ उन्होंने कई लाल दिल वाले इमोजी भी बनाए।

कॉकटेल 2 को मिला ए सर्टिफिकेट 19 जून को होगी रिलीज

मुंबई। शाहिद कपूर, रहिमका मंदाना और कृति सेनन की अदाकारी वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' 19 जून को रिलीज होने वाली है। जब से इस फिल्म का एलान हुआ है, तब से दर्शकों के बीच इसे लेकर काफी चर्चा है। फिल्म का नाम, गाने, नए चेहरे और इसका युवा अंदाज लोगों को उत्साहित कर रहा है। फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से एचरी झंडी मिल गई है। 'कॉकटेल 2' को सीबीएफसी ने 'ए' सर्टिफिकेट दिया है। इसका मतलब है कि इसे सिर्फ वयस्क लोग ही देख सकते हैं। फिल्म काफ़ी लंबी भी है। इसका कुल रनटाइम 150 मिनट है, यानी 2 घंटे 30 मिनट। इसकी एडवॉस बुकिंग 14 जून की आधी रात को शुरू हुई है। 'कॉकटेल 2' तीनों मुख्य कलाकारों के लिए अलग-अलग तरह से खास फिल्म है। कृति के लिए, यह उनके 12 साल के कैरियर में पहली बार है, जब वह किसी एडल्ट-रेटेड फिल्म का हिस्सा बनी हैं। वहीं, रहिमका पहले भी ऐसी एक फिल्म कर चुकी है। वह एनिमल (2023) में नजर आई थीं। इसे भी ए सर्टिफिकेट मिला था। शाहिद के लिए एडल्ट-रेटेड फिल्में कोई नई बात नहीं हैं।



कमीने (2009), उड़ता पंजाब (2016), कबीर सिंह (2019) और ओरोमियो (2026) के बाद यह उनकी पांचवीं ऐसी फिल्म होगी। फ्रेंचाइजी 'कॉकटेल' का पहला भाग 2012 में रिलीज हुआ था। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी ने काम किया था। डायना ने इसी फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। 'कॉकटेल 2' की तरह ही, ऑरिजिनल फिल्म को भी होमी अदजानिया ने डायरेक्ट किया था। दोनों फिल्मों के बीच एक मुख्य अंतर है। सीक्वल के उलट पहले भाग को सीबीएफसी से यूए सर्टिफिकेट मिला था, जिसका मतलब है कि यह सभी तरह के दर्शकों के लिए थी।

लता का वो दर्द भरा गीत, 61 साल पहले बना था लड़कियों के टूटे दिल की आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ गायिका के तौर पर लता मंगेशकर को जाना जाता है। बेशक आज लता दीदी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपने सुनहरे सिंगिंग करियर के दौरान उन्होंने कई ऐसे बेहतरीन गीत गाए थे, जो अब भी यादगार माने जाते हैं। इसी आधार पर हम आपको लता मंगेशकर के एक ऐसे ही कल्ट सैड सॉन्ग के बारे में बताते जा रहे हैं, जो 61 साल पहले लड़कियों के टूटे दिल की आवाज बना था। बातौर गायिका लता मंगेशकर ने हर किस्म के गीतों को अपनी आवाज दी थी। रोमांटिक हो या फिर मस्तीभरा कोई गाना, लता दीदी की आवाज हर गाने में एक दम फिट बैठती थी। लेकिन, जब बात दर्द भरे गानों की होती थी तो लता मंगेशकर ने उसमें अपना सौ प्रतिशत दे देती थी और



गाने को इस तरह से गाती थीं कि सुनने वाले की आंखें भर आए। एक ऐसा ही गीत लता मंगेशकर ने साल 1965 में आई अभिनेता राजेंद्र कुमार और अभिनेत्री साधना की फिल्म आरजू के लिए गाया था, जिसके बोल थे- बेवदी बालमा तुझको मेरा मन याद करता है।

साधना पर फिल्माया गया ये सैड सॉन्ग

एक्ट्रेस साधना पर फिल्माया गया ये सैड सॉन्ग आज भी लड़कियों का फेवरेट माना जाता है और जब भी किसी का बेकअप होता है तो लता का ये गीत उनकी प्लेलिस्ट में जरूर सुनने मिल जाता है। फिल्म आरजू के बेवदी बालमा तुझको... हिंदी सिनेमा के कालजयी सैड सॉन्ग में से एक है। यही कारण है कि रिलीज के करीब 6 दशक बाद भी इसे श्रोता सुनना पसंद करते हैं और एक कल्ट गीत के तौर पर पहचानते हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि बात की जाए लता मंगेशकर द्वारा गाए गए सबसे बेहतरीन सैड सॉन्ग्स के बारे में तो अभिनेत्री साधना का बेवदी बालमा तुझको... गीत उसमें जरूर शामिल होगा। इस गीत को संगीतकार शंकर-जयकिशन की जोड़ी ने तैयार किया था, जबकि लिब्रेट्स हसरत जयपुरी की कलम द्वारा लिखे गए थे।

छोटे पर्दे से सफर शुरू कर बड़े पर्दे पर जमाए पांव

इन फिल्मों में नजर आई थी सुशांत की दमदार अदाकारी

नई दिल्ली। लोकप्रिय अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे पढ़ाई में अव्वल थे। डांस का उन्हें जुनून था। विज्ञान में दिलचस्पी रखते थे। मगर, प्यार उन्हें अभिनय से हुआ। छोटे पर्दे से सफर शुरू करते हुए उन्होंने बड़े पर्दे पर पांव जमाए। उनका दौर शुरू ही हुआ था कि जिंदगी खत्म हो गई।

काय पो चे (2013)

टीवी के कुछ लोकप्रिय धारावाहिकों में काम करने के बाद, इस फिल्म में सुशांत ने हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की। तीन युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई इस फिल्म में ईशान के रूप में सुशांत का किरदार खेलने में रुझान रखने वाले एक युवा का है। उसे राजनीति, व्यापार आदि में कोई दिलचस्पी नहीं है लेकिन एक वक्त ऐसा आता है जब ईशान जाने अनजाने में सब कुछ कर जाता है। इस फिल्म के साथ सुशांत अपनी पहली ही परीक्षा में सफल हुए और फिल्म में शानदार अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू के लिए नामित किया गया।

शुद्ध देसी रोमांस (2013)

इस दूसरी फिल्म में सुशांत को एक रोमांटिक नौजवान के रूप में देखा गया। फिल्म के शीर्षक के अनुसार सुशांत सिंह राजपूत इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों (वाणी कपूर और परिणीति चोपड़ा) के साथ पूरे रोमांटिक व्यक्ति लगे। पर्दे पर जिन दृश्यों को करने में अभिनेताओं को थोड़ी हिंसाक होती है उन दृश्यों को रघु के किरदार में सुशांत ने बेझिझक किया। इस देसी रोमांटिक कहानी में रघु को युवाओं ने बहुत पसंद किया।



केदारनाथ (2018) : केदारनाथ में आई प्राकृतिक आपदा को केंद्र में रखकर बनाई गई इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत शुद्ध भाव से तीर्थ यात्रियों की सेवा करने वाले एक मुस्लिम युवक मंसूर खान के रूप में नजर आए। खालिस बाहमण की लड़की (सारा अली खान) के साथ मोहब्बत करने से मंसूर की दिक्कतें बढ़ती हैं और उसे बाहमणों के कोप का शिकार होना पड़ता है। मंसूर एक साहसी, ईमानदार और चरित्र का साफ शख्स है, जो आपदा आने पर बिना भेदभाव के सभी की मदद करता है।

डिटैक्टिव ब्योमकेश बक्शी (2015)

फिल्म 'डिटैक्टिव ब्योमकेश बक्शी' में सुशांत ने शानदार अभिनय किया। वे ब्योमकेश बक्शी के किरदार में नजर आए थे। इस फिल्म में सुशांत के साथ आनंद तिवारी और स्वस्तिका मुखर्जी भी मुख्य भूमिका में थे। **IMDb** पर इसे 7.6 की रेटिंग मिली है। आप 'डिटैक्टिव ब्योमकेश बक्शी' को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

छिछोरे (2019) : पिछले साल ही रिलीज हुई फिल्म छिछोरे में अपने पांच दोस्तों के साथ मिलकर अपनी के रूप में सुशांत अपने बेटे को एक सख्त सिखाने के लिए पूरी फिल्म की कहानी रचते हैं। अपने स्कूल और कॉलेज के दिनों का उदाहरण देकर अपनी अपने बच्चे को बताता है कि जिंदगी में असफल होने के बाद भी बहुत कुछ होता है। हम फिर से कोशिश कर सकते हैं। कहानी के आधार पर समीक्षकों की सराहना से परिपूर्ण इस फिल्म में सुशांत ने शानदार अभिनय का प्रदर्शन किया।

सोन चिड़िया (2019) : 'सोन चिड़िया' फिल्म में सुशांत के साथ मनोज बाजपेयी और भूमि पेडनेकर भी मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत की एक्टिंग ने सबका दिल जीता। वे लखना नाम के बानी (डकैटर) की भूमिका में थे। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक चौबे ने किया। बता दें कि सुशांत की आखिरी फिल्म थी 'दिल बेचारा' थी, जो उनके निधन के बाद साल 2020 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म थिएटर में नहीं आई, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हुई थी।

13 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से मारुफा अख्तर ने 4 ओवर में 3 रन देकर 2, फारिहा तृष्णा, शंजी अख्तर मेघला, राबेया खान, और रितू मोनी ने 1-1 विकेट लिए। बांग्लादेश ने 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच 6 विकेट जीत लिया।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद
ने गिनाई मोदी सरकार
की उपलब्धियां



जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने जबलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों, पर्यावरण संरक्षण और जनसंपर्क अभियान से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा।

रानी दुर्गावती प्रगति पथ यात्रा में विकास कार्यों की सराहना

रानी दुर्गावती प्रति जितन प्रसाद यह था को संबोधित करते हुए
केन्द्रीय मंत्री जितन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र
मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और स्थिरता
के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि
लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने से देश को
मजबूत और दृढ़शक्ति नेतृत्व प्राप्त हुआ है, जिसके वरते
विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को साकार करने
की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने रानी
दुर्गावती प्रगति पथ परियोजना की सराहना करते हुए
कहा कि लगभग किलोमीटर लंबे इस सेग में जबलपुर
के शहरी विकास को नई पहचान दी है। यह परियोजना
आधुनिक भारत की आधारभूत संरचना निर्माण क्षमता का
उद्घाटन है। उन्होंने कहा कि आज विप्लवस्तरीय
इंफ्रास्ट्रक्चर भारत में साकार हो रहा है और यह
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है। केन्द्रीय
मंत्री ने कहा कि दुर्गावती के कई देश अर्थतन्त्र और
संघर्षों का सामना कर रहे हैं, वहीं भारत एक स्थिर,
सख्त और विप्लवशून्य राष्ट्र के रूप में उभरा है।
उन्होंने युवाओं के लिए कई सरकारी प्थम शिक्षा,
रोजगार, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में किए जा रहे
प्रयासों की भी उल्लेख किया। इस अवसर पर सांसद
आशीष दुहे, महापौर जगत बाहादुर सिंह अन्व, विधायक
अमिला पाण्डेय, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज,
भाजपा प्रभारी आलोक संजय, अरविनी पांजोपे, संदीप
प्रसाद, प्रशांत केसरवानी, अखिलेश जैन, रत्नेश सोनकर
सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।



एक पेड़ मां के नाम अभियान

इसके बाद केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दादा ईश्वरचरण को उठाया। वार्ड की प्रयश्रितियों को नौनी ने आयोजित एक छेड़ में के नाम अभिषेक के अंतर्गत पधारेणो एवं स्वच्छता कार्यक्रम में भाग लिया। दोनों मंत्रियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता कर नामिकों से स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वाण किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी परण केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर और सुशिक्षित नागरिक सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। कार्यक्रम में राज्यस्तरा सांसद सुमित्रा वार्माकी, सांसद आशोष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्व, विधायक अंशोक रोहणो, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुविज, संघीय जेन, प्रशांत केकरवाणी, अधिवनी परांजो, अखिलेश जेन और सरोजन सेनकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

प्रबुद्धजन संपर्क अभियान के तहत की मुलाकातें

जबलपुर प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और मंत्री राधेश शर्मा ने भुवनेश्वरनगर सार्क अभिगमन के तहत न्यायमूर्ति धर्माधिकारी के मागस पर पहुंचकर मेट की। इसके बाद दोनों नेता विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय के होम साइड कॉलेज रोड स्थित कार्यालय 'सेना सदन' पहुंचे। यहां उन्होंने गैमता का पूजन-अर्चन कर गुड और चाय खिलाया। कार्यकर्ताओं से आभारियां खावां फिजियां। केंद्रीय मंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर सरकारी की योजनाओं और जनपदों गतिविधियों को लेकर चर्चा की। इस दौरान सांसद आशीष दुहे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्वू, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अर्जुनवार पारजुंज, राजा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, मागस नगर अध्यक्ष रमेश सोनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

**विकास, पर्यावरण और
जनसंपर्क पर रहा फोकस**

केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के जबलपुर दौर में विकास परियोजनाओं को समीक्षा, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिखाई दिया। रानी दुर्गावती प्रातिपत्ति पर्व जैसी आधारभूत संरचना परियोजनाओं से लेकर पौधारोपण और प्रसुद्धजन सेंपक अभियान तक, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार को विकास एवं जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

**ग्रीष्म अवकाश
के बाद अदालतों
में गूंजेगी बहस**

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में एक माह का ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद सोमवार से न्यायिक गतिविधियां पूरी तरह पटरी पर लौट आएंगी। मुख्यपीठ जबलपुर सहित इंदौर और ग्वाल्ियर खंडपीठ में नियमित बेंचों के समक्ष मुकदमों की सुनवाई शुरू होगी। नव नियुक्त कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया के नेतृत्व में अदालतों में फिर से वकीलों की दलौलें गुंजींगी और लॉबिअर मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। उल्लेखनीय है कि 16 मई से 14 जून तक चले हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान केवल अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई की गई थी। अब नियमित न्यायिक कार्य शुरू होने से हजारों लॉबिअर प्रकरणों पर सुनवाई का सिलसिला दोबारा शुरू होगा।



आज से फिर रफ्तार पकड़ेगा हाईकोर्ट का कामकाज

अवकाश में भी जारी रही न्यायिक सक्रियता

इस बार हाईकोर्ट प्रशासन ने समर वेकेशन के दौरान व्यापिक कार्यों को पूरी तरह थमने नहीं दिया। परंपरागत व्यवस्था के तहत जहाँ पहले अवकाशकालीन वरें सप्ताह में केवल दो दिन बैठती थीं, वहीं इस वर्ष विशेष व्यवस्था के तहत सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुनवाई की गई। इससे जरूरी मामलों के त्वरित निपटारे में मदद मिली और अदालतों पर लंबित मामलों का दबाव कुछ हद तक कम करने का प्रयास किया गया।

इंदौर खंडपीठ में प्रशासनिक बदलाव के संकेत

व्यापिक हलकों में चर्चा है कि आगामी दिनों में हार्डकोर्ट के प्रशासनिक दायें में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक व्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला 27 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके स्थान पर जिम्मेदारियों को पूर्णविरण की सभ्यता जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार विवेक अग्रवाल को इंदौर भेजा जा सकता है, जबकि सुबोध अय्यंकर का नाम भी प्रशासनिक व्यायाधीश की जिम्मेदारी के लिए चर्चा में है।

जजों की कमी बढ़ाएगी चुनौतियां

विजय कुमार शुकला के सेवानिवृत्त होने के बाद हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या घटकर 37 रह जाएगी। जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 53 है। ऐसे में 16 पद रिक्त हो जाएंगे। न्यायाधीशों की कमी के चलते पहले से लॉबित लाखों मामलों के त्वरित निपटारे की चुनौती और गंभीर हो सकती है। न्यायिक विशेषज्ञों का मानना है कि रिक्त पदों के शीघ्र पूर्ण न्याय व्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए आवश्यक होंगी।

**जबरन मजबूर करने पर
आयोग ने मांगा जवाब**

जबलपुर। स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य नहीं है। उपभोक्ताओं की सहमति लेना जरूरी है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट का है। इसके बावजूद भी जिले में विद्युत कंपनी के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं की सहमति के बिना ही जबरन स्मार्ट मीटर लगाये जाने का मामला सामने आया है। पृक्षविपत्त कंपनी के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को परेशान करके मीटर बदलने के लिये मजबूर कर रहे हैं। इस

स्मार्ट मीटर लगवाना अनिवार्य नहीं

कारण उपभोक्ताओं को कोई गुना
ज्यादा बिल आ रहा है और
परेशानियों का सामना करना पड़
रहा है। गत दिनों इनकम टैक्स
चौराहा चर्च कंपाउंड में पंकज बोरो
के निवास पर स्मार्ट मीटर नहीं
लगावने पर घर की बिजली ही
कट दी गई। मानवूर होकर उन्हें
स्मार्ट मीटर लगवाना पड़ा। मप
मानव अधिकार आयोग की क्षेत्रीय
कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने
बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित

समाचार के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग की सुख्य पीठ भोपाल में पत्रचण पर सुनवाई करते हुए अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के एमडी से मामले की जांच करवाकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

HONDA
The Power of Dreams

How we move you.
CREATE ► TRANSCEND, AUGMENT

लिमिटेड पीरियड ऑफर

इंस्टेंट कैशबैक
₹ 10000[#] तक

डाउन पेमेंट
₹ 5100^{*}

Smart Coloured TFT with 3 Modes

फाइनेंस पार्टनर्स*

pine labs

कैशबैक पार्टनर*

अधिक जानकारी के लिए **7230032200** पर मिस्ड कॉल दें

Terms & Conditions apply. *Loan approval is at the sole discretion of the financier and may require additional documentation. *Interest rate, loan amount, down payment, tenure, and EMI are subject to the applicant's credit profile. *Certain scheme benefits cannot be combined. *Offers/features may be modified or withdrawn without prior notice. *All offers valid till 30th June 2026. *Up to 10% Instant Cashback (₹2000-₹10000) on all HMSI models. #Applicable on HDFC Bank Credit Card EMI transactions (Minimum Transaction: ₹20000; Tenure: 6 to 24 months). #Valid only on transactions processed through Pine Labs machines. #Valid on one transaction per card/order during the offer period. #Instant Cashback offer valid till 30th June 2026. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Madhya Pradesh. ^For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण
के लिए QR कोड
स्केन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: **JABALPUR:** Sahil Honda - 7771003865; Sahil Honda (Madan Mahat) - 7771003899; Sai Honda (Gadasarai) - 9926360842; SKR Honda (Sihora) - 9977448009; Sonico Honda (Dindori) - 9424508485; MP Sahu Honda (Shahpura Dindori) - 9753156094; Balaji Honda (Bareilly) - 8602391415; J P Honda (Bargi) - 9399374447; Sai Honda (Dhanpur) - 8319138424; Shri Honda (Gosalpur) - 9732235782; Anmol Honda - 7566858687; **BALAGHAT:** Dreams Honda - 8349272776; Dreams Honda (Baihar) - 8269793376; **CHHINDWARA:** Akshit Honda (Chourai) - 8989994444; Akshit Honda (Parasia Road, Chhindwara) - 8989994444; Akshit Honda (Amarwara) - 8989994443; Akshit Honda (Parasia) - 8989994442; Shyam Honda (Pandhurna) - 9425818989; Ayush Honda (Junnardeo) - 9425871626; Maa Vaishnav Honda (Bichhua) - 8989994446; Manish Honda (Sausar) - 9244569009; **SEONI:** Anurag Honda - 9827112711; Anurag Honda (Lakhnadon) - 771884494; Vardhman Honda (Chhapara) - 8770068747; **CHHATARPUR:** Namostu Honda - 9407184511; Krishna Honda - 8619966966; Namostu Honda (Badamaleri) - 8839039161; KGN Automobiles (Luv Kush Nagar) - 7582807444; Sanvi Honda (Maharajpur) - 9907605858; **MANDLA:** Rajul Honda - 9644544611; **NARSINGHPUR:** Amisha Honda - 9425815655; Amisha Honda (Gadarwara) - 9425815655; Sudeep Honda (Kareli) - 8989252525; Amisha Honda (Rajmarg) - 9425815655; Amisha Honda (Kareli) - 9425815655; **SHAHDOOL:** Utsav Honda - 8349283855; G L Honda (Umariya) - 9329523156; Virasini Honda (Anuppur) - 8770423634; Jay Ambe Honda (Kotma) - 9300416285; Keshav Honda (Beohari) - 9425887009; Gautam Honda (Burhar) - 9425182213; Hindustan Honda (Pali) - 9302180568; **KATHI:** Shri Sahil Honda - 9425156978; Jaishree Honda (Barhi) - 9009705200; Shri Shambhu Automobiles (Vijayraghavar) - 7987061672; JCM Aman Motors (Bilahr) - 7566056605; SK Motors (Bahoriband) - 7974267080; Murti Motors (Sleemabad) - 7999077781; Quadri Honda (Umariya Pan) - 9074210324; **SATNA:** Krishna Honda - 9109078717; Eagle Honda - 7583808564; Krishna Honda (Chitrakoot) - 9907004730; Krishna Honda (Nagod) - 9179700769; Eagle Honda (Kotar) - 7583808564; Deepak Honda (Ramnagar) - 9098804444; Maa Durga Honda (Rampur Baghelan) - 9425887633; Ashish Honda (Amarpatan) - 9993676313; **SIDHI:** Laxmipati Honda - 9826540577; Laxmipati Honda (Rampur Naikan) - 8349790577; Laxmipati Honda (Madwas) - 7404822719; Shubham Honda (Bahar) - 7415825564; **REWHA:** Rewa Maa Honda - 7400980721; Balkunthpur Honda (Balkunthpur) - 9340729825; N.K. Honda (Hanumana) - 8871924845; N.K. Honda (Gurh Road) - 7694018005; N.K. Honda (Maugang) - 7694018005; Rewa Maa Honda (University Road) - 7400980721; Rewa Maa Honda (Lalgaon) - 8982388380; Dev Wheels Honda (Maugang) - 9685226689; M.R. Honda (Mangawan) - 9977095984; Prince Honda (Semariya) - 993885882; Puspendra Honda (Garhi) - 9419566621; **PANNA:** Selection Honda (Panna) - 6260262091; Selection Honda (Amangan) - 9131955892; Selection Honda (Pawai) - 6260262091; **WAIDHAN:** Agrasen Honda - 7049925591; Agrasen Honda (Mada) - 6261605785; Agrasen Honda (Dudmania) - 9425161696; **BHOPAL:** Surana Honda (Koh-E-Fiza) - 9713066121; Sai Samarth Honda - 9109103832; BGS Honda - 7440654321; Om Auto Honda - 9826331339; Power Honda - 9202244444; BGS Honda (Kolar Road) - 8889994504; BGS Honda (Karondh) - 8319133403; Sai Samarth Honda (Bairagarh) - 0755422834; Power Honda (Gulmohar) - 07554256062; Sai Samarth Honda (New Market, TT Nagar Police Station) - 07554167932; Shiv Honda (Berasia) - 9827205909; Poorvi Honda (Khilchipur) - 9827828182; Shri Sawariya Honda (Budni) - 990740405; **TIKMARGARH:** Arjav Honda - 9806223193; Dhanushdhar Honda (Khargapur) - 9826264954; Ram Ji Honda (Palera) - 9560855084; Jainam Honda (Prithvipur) - 9713029419; Shanti Traders (Jatara) - 8871205164; **MORENA:** The Roshan Honda - 7532466097; Gupta Honda (Shabalgarh) - 9893170387; Aryan Honda (Ambah) - 9826288045.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

Scooter बोले तो
ACTIVA
110CC

एक्टिवा रेंज की शुरुआत होती है
₹ 76946[^] से
एक्स-शोरूम